डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

Sweety
BY
MR
GROUP
Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-23 | मथुरा, शुक्रवार, 20 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

दिन-दहाड़े चांदी व्यवसायी पिता-पुत्र के अपहरण से

दहला चौक बाजार सराफा

- दुकान से उठा ले गए हथियार बंद अपहरणकर्ता
- भीड़ भरे इलाके में हुई वारदात से शहर में फैली दहशत
- भीड़ ने अपहरणकर्ताओं की गाड़ियों को रोकने का प्रयास किया
- वीडियो बनाने वालों के मोबाइल भी छीन ले गए

शहर के चौक बाजार में जाम लगाते व्यापारियों को समझाती सीओ सिटी आशना चौधरी।

चांदी व्यापारियों को ले जाने के मामले में चौक बाजार में प्रदर्शन करते हुए व्यापारी।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर की घनी आबादी स्थित चौक बाजार में दो गाड़ियों में सवार होकर पुलिस और सादा कपड़ों में आए हथियार बंद लोगों ने एक सर्राफा व्यवसाई और उसके पुत्र का अपहरण कर लिया। इस कारण शहर में सनसनी फैल गई। घटना से गुस्साए व्यापारियों ने चौकबाजार में जाम लगा दिया। मौके पर सीओ सिटी और पुलिस पहुंची। शुक्रवार को चौकबाजार में चांदी व्यवसायी अपनी दुकानों पर बैठे हुए दुकानदारी कर रहे थे। इसी बीच दो गाड़ियों में सवार पुलिस वर्दीधारी और सादा कपड़ों में हथियारबंद लोग चौकबाजार स्थित रतना मार्केट में फिल्मी अंदाज में हथियार लहराते हुए गाड़ियों से उतरे। गाड़ी से उतरे हथियार लहराते लोगों ने दुकान पर बैठे महेशचंद खंडेलवाल और उनके बेटे को झपट्टा मारकर पकड़ कर खींच लिया और आनन-फानन में उठा कर अपनी गाड़ी में पटक दिया। बाजार के लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले अपहरणकर्ता हथियारों को लहराते हुए निकलने लगे। लोगों को जब व्यापारियों को अगवा कर ले जाने का पता लगा तो लोगों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ को लोगों ने हथियार दिखा कर गाड़ी को रोकने नहीं दिया। बताया गया कि भीड़ में कुछ लोगों को वीडियो बनाते देख अपहरणकर्ताओं ने कई लोगों के मोबाइल भी छीन लिए। इसके बाद अपहरणकर्ता दोनों व्यापारियों को लेकर चले गए।

व्यापारियों ने दुकानें बंद कर जाम लगाकर किया प्रदर्शन

सीओ सिटी ने मौके पर पहुंचकर खुलवाया जाम

आक्रोश : व्यापारियों के अपहरण से चौक बाजार में लगा जाम

यूनिक समय, मथुरा। चौकबाजार से दिन दहाड़े चांदी व्यवसायी पिता– पुत्र को अपहरण का पता लगते ही सर्राफा बाजार में दहशत फैल गई। आक्रोशित व्यापारियों ने अपनी दुकाने बंद करने के बाद जाम लगा दिया। चांदी व्यवसायी महेश खंडेलवाल और उनके पुत्र के दिन दहाड़े हुए अपहरण का पता लगने पर व्यापारियों ने बाजार बंद कर दिया। घटना से आक्रोशित व्यापारियों ने चौकबाजार में जाम लगा कर नारे बाजी करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते बाजार के अन्य दुकानदार भी वहां एकत्रित हो गए। चौक बाजार में हुई घटना और व्यापारियों द्वारा लगाए गए जाम का पता लगने पर सीओ सिटी आईपीएस आशना चौधरी, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्रा तथा थाना प्रभारी गोविंदनगर मौके पर पुलिस फोर्स के साथ पहुंच गए। अधिकारियों ने व्यापारियों को किसी तरह से समझाकर जाम खुलवाया। सीओ सिटी ने इस मामले में जांच कर घटना का पता लगा कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक तौर पर यह पता चला है कि पलवल पुलिस पिता–पुत्र को किसी मामले में ले गई है।

अपहरण को लेकर शहर में तरह–तरह की चर्चाएं

यूनिक समय, मथुरा। शहर में चांदी व्यापारी और उसके पुत्र को कथित रूप से उठाए जाने की घटना ने कई तरह की चर्चाओं को जन्म दे दिया है। प्रारंभिक तौर पर इसे अपहरण माना जा रहा था, लेकिन अब एक नई संभावना सामने आ रही है। चर्चा है कि किसी अन्य प्रदेश की पुलिस टीम, चांदी चोरी के मामले में पकड़े गए एक आरोपी की निशानदेही पर यहां पहुंची और शक के आधार पर व्यापारी को अपने साथ ले गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टीम के पास आधुनिक हथियार थे, जिससे यह कार्रवाई सुनियोजित और पेशेवर लग रही है। हालांकि, स्थानीय पुलिस ने अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घटना को लेकर व्यापारी वर्ग में चिंता का माहौल है।

मुलाकात | संत प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

महाराज श्री को जन्मदिन की दी बधाई

वृंदावन में रमणरेती परिक्रमा मार्ग स्थित श्री हित राधा केलीकुंज आश्रम में संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन करने पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का महाराज श्री की ओर से स्वागत करते शिष्य।

श्री हित राधा केलीकुंज आश्रम स्थित कुटिया में संत प्रेमानंद महाराज के प्रवचन सुनती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

वात्सल्य ग्राम स्थित गोकुलम में यशोदा माताएं और बच्चों के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और दीदी मां साध्वी ऋतंभरा।

वात्सल्य ग्राम आगमन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करते पदम विभूषण से सम्मानित दीदी मां साध्वी ऋतंभरा और यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ब्रज प्रवास के दूसरे दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज सुबह रिमझिम बारिश के बीच परिक्रमा मार्ग स्थित श्रीहित राधा केलीकुंज आश्रम पहुंचीं। उन्होंने यहां आश्रम के अंदर बनी कुटिया में संत प्रेमानंद महाराज का हाथ जोड़कर अभिवादन किया और जन्म दिन की शुभकामनाएं दी तो जवाब में महाराज श्री ने मुस्कराते हुए राधे–राधे बोलकर उनका स्वागत किया।

राधे–राधे बोलकर संत प्रेमानंद ने किया स्वागत

अध्यात्म, समाज और ब्रज की परंपरा पर चर्चा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कुर्सी पर हाथ जोड़कर बैठी और महाराज श्री के प्रवचन सुने। दोनों के बीच करीब 27 मिनट तक आध्यात्म, समाज और ब्रज की परंपरा को लेकर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि प्रेमानंद महाराज ने नाम जप की महत्ता पर जोर दिया। कहा कि यही मनुष्य के जीवन के उद्धार का सरल मार्ग है। मुलाकात के दौरान आश्रम की ओर से राष्ट्रपति को प्रसाद स्वरूप दुपट्टा, माला और प्रसाद भेंट किया। इस दौरान राष्ट्रपति के साथ उनके परिवार के सदस्य भी मौजूद थे।

बाबा नीव करौरी की महिमा को सुनकर राष्ट्रपति हुई भाव विभोर

बाबा नींव करौरी की कुटिया में दर्शन करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

नींव करौरी आश्रम स्थित समाधि स्थल/ मंदिर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को प्रसाद, पटुका, श्री नींव करौरी बाबा जी की छायाचित्र (फोटो) को भेंट करते पुजारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल परिक्रमा मार्ग स्थित श्री नींव करौरी बाबा आश्रम पहुंची। राष्ट्रपति का आश्रम में आगमन देवी मंदिर की ओर से हुआ। यहां उनका स्वागत नगर निगम के पूर्व उपसभापति राधाकृष्ण पाठक, देवेन्द्र कुमार शर्मा तथा ग्रुप कैप्टन (सेवानिवृत्त) संदीप भटेले ने किया। स्वागत के बाद राष्ट्रपति एवं राज्यपाल ने हनुमान मंदिर के दर्शन किए। राष्ट्रपति ने मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना हनुमान मंदिर की परिक्रमा लगाई। हनुमान मंदिर पर रामरूप पुजारी एवं टीसी शर्मा पूजा कराई। राष्ट्रपति एवं राज्यपाल ने श्री नींव करौरी बाबा की समाधि स्थल/मंदिर के दर्शन किए। यहां उन्होंने पूजा कर परिक्रमा लगाई। अभिषेक पुजारी एवं नरेंद्र मोहन अग्रवाल ने दोनों को प्रसाद, पटुका, श्री नींव करौरी बाबा जी की छायाचित्र (फोटो) एवं कम्बल भेंट किया। राष्ट्रपति एवं राज्यपाल ने महाराज जी की कुटिया के दर्शन कर आश्रम स्थित संग्रहालय का भ्रमण किया। धर्माचार्य डॉ. अनुराग कृष्ण पाठक ने राष्ट्रपति एवं राज्यपाल को हनुमान मंदिर, श्री राम दरबार मंदिर, समाधि स्थल, महाराज जी की कुटिया तथा संग्रहालय के बारे में बताया। राष्ट्रपति ने दान पेटिका में लिफाफा (दान) डाला। इस मौके पर यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, प्रभारी मंत्री/ राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बेसिक शिक्षा विभाग संदीप सिंह उपस्थित थे।

बाबा नीव करौरी की साधना स्थली में बाबा के संदेश को पढ़ती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

तापमान / मौसम

30 डिग्री सेल्सियस
अधिकतम

18 डिग्री सेल्सियस
न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरट 1,52,000
22 कैरट 1,49,840
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,43,000 प्रति किलो

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए यूनिक समय
www.uniquesamay.com

रोड़ पार करते समय एक महिला घायल

यूनिक समय,मथुरा। थाना जमुनापार क्षेत्र के अंतर्गत लक्ष्मीनगर चौराहे पर एक 60 वर्षीय महिला रोड़ पर करते समय तेज गति से आ रहीं मोटर साईकिल सवार दो युवकों ने महिला को बूरी तरह घायल किया। मौजूदा लोगों ने घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

इन्द्र देव ने भी ली राष्ट्रपति दौरे की तैयारियों की 'फील्ड टेस्टिंग'

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर मथुरा और वृंदावन में बीते कई दिनों से चल रही तैयारियों को आखिरकार फाइनल टेस्ट मिल ही गया। यह टेस्ट लिया खुद इन्द्र देव ने। 19 और 20 मार्च की बारिश ने प्रशासन की सजाई-संवारी व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत को परखते हुए एक तरह से 'रियल टाइम ऑडिट' कर डाला। दरअसल, राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए शहर के प्रमुख मार्गों की मरम्मत, सफाई और सौंदर्यीकरण का कार्य युद्धस्तर पर कराया गया था। मंदिर क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था और यातायात नियंत्रण के

प्रशासन को मिला रियलिटी चेक

प्रशासन तैयार, पर मौसम भी था तैयार

रिहर्सल पास, लेकिन बारिश ने लिया फाइनल टेस्ट

पुख्ता इंतजाम किए गए। इतना ही नहीं, फुल ड्रेस रिहर्सल के जरिए सुरक्षा और ट्रैफिक प्लान की बारीकी से जांच की गई। 'जीरो ट्रैफिक' प्लान और रूट डायवर्जन के साथ पूरा प्रशासन मानो एकदम तैयार खड़ा था। लेकिन जैसे ही 19 मार्च की शाम को बारिश ने एंट्री ली, तस्वीर थोड़ी बदल गई। जो रास्ते कुछ घंटे पहले तक चमक रहे थे, वहां पानी की हल्की परत ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

कहीं-कहीं जलभराव और फिसलन भी देखने को मिली, जिससे यह साफ हो गया कि प्रकृति की अपनी प्लानिंग भी कम मजबूत नहीं होती। वृंदावन के मंदिर क्षेत्रों में भी बारिश ने हल्की-फुल्की "री-चेकिंग" कर दी। साफ-सुथरे रास्तों पर नमी और कीचड़ ने दस्तक दी, मानो यह याद दिलाने के लिए कि व्यवस्थाएं तभी पूरी तरह सफल मानी जाएंगी, जब वे हर मौसम में टिक सकें। हालांकि, प्रशासन ने भी तेजी दिखाते हुए हालात को संभाल लिया और सुरक्षा व प्रोटोकॉल में कोई कमी नहीं आने दी। यह भी साफ रहा कि सिस्टम अलर्ट मोड में था और तत्काल प्रतिक्रिया देने की क्षमता रखता है। कुल मिलाकर, यह बारिश किसी बाधा से ज्यादा एक "प्रैक्टिकल टेस्ट" साबित हुई, जिसने यह संकेत दे दिया कि तैयारियां सही दिशा में हैं, बस उन्हें थोड़ा और टिकाऊ और मौसम-प्रूफ बनाने की जरूरत है। अगर हर बड़ी तैयारी से पहले इन्द्र देव ऐसा "ट्रायल" लेते रहें, तो क्या हमारी व्यवस्थाएं और भी मजबूत नहीं हो जाएंगी? आखिर, असली परीक्षा तो वही होती है जो अचानक हो और इस बार प्रशासन उसमें पास होने की दिशा में जरूर नजर आया है।

राष्ट्रपति पहुंचीं वात्सल्य ग्राम

गोकुलम में यशोदा माताएं और बच्चों से मिलीं

समविद गुरुकुलम सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, साध्वी ऋतंभरा, यूपी के गन्ना विकास मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण, परमशक्ति पीठ के राष्ट्रीय सचिव संजय गुप्ता एवं शिक्षा की निदेशक सुमन लता।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वात्सल्य ग्राम स्थित समविद गुरुकुलम सैनिक स्कूल में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के पहुंचने पर पदम विभूषण से सम्मानित दीदी मां साध्वी ऋतंभरा ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। परमशक्ति पीठ के राष्ट्रीय सचिव संजय गुप्ता एवं शिक्षा निदेशक सुमन लता ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। छात्राएं मार्चपास्ट करते हुए उन्हें कार्यक्रम स्थल तक लेकर गयीं। सैन्य छात्राओं से मिलने बाद के गोकुलम प्रस्थान किया। गोकुलम में यशोदा माताएँ और बच्चों से मिलकर उनके बारे में जाना। गोकुलम के बेटी-दामादों एवं यशोदा माताओं, बच्चों से मिलकर हर्ष व्यक्त करते हुए साध्वी ऋतंभरा के कार्य की

मां सर्वमंगला के विग्रह के दर्शन कर पूजन किया

सराहना की। सिया परमानन्द ने वेद मन्त्रों से स्वागत किया। उसके पश्चात गुफा में विराजित सिंदूर से बने माँ सर्वमंगला के विग्रह के दर्शन कर पूजन अर्चन किया। गोल्फकार्ट में बैठ कर साध्वी ऋतंभरा के साथ भ्रमण किया। भ्रमण के समय कृष्णा ब्रह्मरतन विद्या मन्दिर एवं वैशिष्टम के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वागत किया। स्थान-स्थान पर वात्सल्य निवासियों ने स्लोगन पट्टिकाएं, तिरंगा एवं भगवा ध्वज लहराकर स्वागत किया। इस अवसर पर साध्वी शिरोमणि, स्वामी सत्यशील आदि उपस्थित थे।

नीव करौरी आश्रम स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। साथ खड़े हैं धर्माचार्य डॉ अनुराग कृष्ण पाठक।

गोवर्धन परिक्रमा मार्ग चमका

महामहिम के आने से पहले सफाई का मेगा अभियान

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। 21 मार्च को प्रस्तावित राष्ट्रपति के भ्रमण से पहले तीर्थनगरी गोवर्धन पूरी तरह सज-धज गई है। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर अभूतपूर्व सफाई अभियान चलाकर प्रशासन ने व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद कर दिया है। पूरे क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां तेज गति से जारी हैं। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग इन दिनों प्रशासनिक निगरानी में पूरी तरह व्यवस्थित किया जा रहा है। मार्ग को विभिन्न सेक्टरों में बांटकर प्रत्येक हिस्से में अलग-अलग सफाई टीमों की तैनाती की गई है। राधाकुंड, मानसी गंगा, गोविंद धाम, दानघाटी से लेकर राजस्थान सीमा

क्या वीवीआईपी दौरे के बाद भी बनी रहेगी गोवर्धन की यह चमक?

तक प्रमुख स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है, ताकि महामहिम के भ्रमण के दौरान हर स्थान स्वच्छ और आकर्षक दिखाई दे। व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए दो शिफ्टों में सफाई कार्य संचालित किया जा रहा है। सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक और शाम 3 बजे से रात 10 बजे तक कर्मचारी लगातार सफाई कार्य में जुटे हुए हैं। इस सतत व्यवस्था से परिक्रमा मार्ग पर हर समय स्वच्छता बनाए रखने का लक्ष्य रखा गया है। इस महाअभियान में बड़ी संख्या में सफाईकर्मी, ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी तैनात किए गए हैं। प्रत्येक सेक्टर में जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी से कार्य में अनुशासन और गति दोनों स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

स्थानीय लोगों में भी इस तैयारी को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। उनका मानना है कि यदि इस प्रकार की व्यवस्थाएं निरंतर बनी रहें, तो गोवर्धन देश के आदर्श स्वच्छ तीर्थ स्थलों में अपनी विशेष पहचान बना सकता है। सवाल यह है कि क्या महामहिम के आगमन से शुरू हुई यह स्वच्छता पहल स्थायी व्यवस्था बन पाएगी, या फिर यह केवल वीवीआईपी दौरे तक सीमित रह जाएगी?

मथुरा जिला कल सायं तक नो फ्लाईंग जोन घोषित

यूनिक समय, मथुरा। जिला मजिस्ट्रेट चन्द्र प्रकाश सिंह ने एसएसपी के पत्र को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे को देखते हुए 21 मार्च के सायं पांच बजे तक जिले को नो फ्लाईंग जोन घोषित किया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि अतिविशिष्ट महानुभाव को विभिन्न आतंकवादी संगठन, देश विरोधी शक्तियों से जीवन भय है। विभिन्न विरोधी राजनैतिक विचारधारा/ समूहों द्वारा गुब्बारों, ड्रोन व पतंग आदि के माध्यम से विरोध किये जाने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। अतिविशिष्ट महानुभाव के प्रस्थान तक सम्पूर्ण जनपद को नो-फ्लाईंग जोन घोषित किया जाता है।

गुजरात जाने को निकले युवक का शव मिला

धर्मेंद्र की मौत पर परिवार ने जताई अनहोनी की आशंका

भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के समीप युवक मृत मिला

23 मार्च को भतीजी का जन्म दिन मनाना था फिरोजाबाद में

यूनिक समय, मथुरा। भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के समीप से एक युवक का शव राजकीय रेलवे पुलिस ने बरामद किया है। मृतक फिरोजाबाद का रहने वाला है। परिवार के लोग युवक की मौत को लेकर किसी अनहोनी का संदेह जता रहे हैं। भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के समीप से एक युवक (25) का शव पड़ा होने की सूचना राजकीय रेलवे पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक की तलाशी की तो उसके पास से युवक के घर का पता लगा। पुलिस ने युवक के परिवार के लोगों को सूचना दी। परिवार के लोगों ने बताया कि युवक धर्मेंद्र पुत्र गिरीश कुमार निवासी नगला मोहन थाना पचौकरा जनपद फिरोजाबाद है। परिवार के लोगों ने बताया कि गिरीश कुमार के दो बेटे हैं बड़ा बेटा जीतू व छोटा बेटा धर्मेंद्र है। जीतू गुजरात के संतरामपुर जिला पंच महल में परिवार के साथ रहता है। 23 मार्च को जीतू की बेटी अंशू के जन्म दिन को मनाने के लिए उन्होंने जीतू के परिवार को लेने के लिए छोटे बेटे धर्मेंद्र को गुजरात के लिए भेजा था। धर्मेंद्र गोवर्धन के होटल राधास्वामी पर नौकरी करता है। परिवार के लोगों का कहना है कि धर्मेंद्र होटल से पैसे लेकर गुजरात जा रहा था।

राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा उसके बारे में दी गई सूचना पर परिवार के लोग मथुरा आए तो पता लगा कि उसकी मौत हो गई है। परिवार को उसके साथ किसी अन्होनी की आशंका है। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अपना मंच 2.0 ऑडिशन 29 मार्च को होगा

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज कला चौपाल संस्था के बैनर तले सांस्कृतिक कार्यक्रम अपना मंच 2.0 के लिए 29 मार्च को जवाहर बाग में सायं 5 बजे से ऑडिशन होगा। संस्था की संस्थापिका नम्रता सिंह ने बताया कि ऑडिशन में गायन, नृत्य, अभिनय एवं अन्य कलाओं के प्रतिभागी भाग ले सकते हैं।

रमजान का पाक माह खत्म, कल होगी ईद

शाही जामा मस्जिद चौक बाजार में नवाज पढ़कर बाहर आते मुस्लिम समाज के लोग।

शाही जामा मस्जिद चौक बाजार में जुमा की नमाज की सुरक्षा के लिये तैनात पुलिस।

शहर-ग्रामीण इलाकों में पढ़ी गई अलविदा जुमे की नमाज

मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में ईद की तैयारियां शुरू

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रमजान का पाक माह का आज अंतिम रोजा होने के साथ-साथ आज अलविदा का जुमा होने पर शाही मस्जिद ईदगाह, चौकबाजार सहित शहर और जनपद की मस्जिदों में जुमे की नमाज सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गई। कल ईद होगी। रमजान माह में इस बार 29 का चांद नजर नहीं आया। इस कारण आज 30 वां रोजा है। इसके साथ ही शुक्रवार होने पर आज रमजान अलविदा की नमाज के लिए बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा की गई। शहर की शाही मस्जिद ईदगाह, चौक बाजार की जामा मस्जिद सहित शहर के सदरबाजार, भूतेश्वर, नवनीत नगर, सुखदेव नगर, जमुनापार, औरंगाबाद सहित अन्य उन मस्जिदों में जुमे की नमाज पढ़ने के लिए लोग अपने घरों से पहुंचे। लोगों में नमाज को लेकर उत्साह देखा गया। इसके साथ ही ग्रामीण इलाकों बलदेव, महावन, राया, मांट, सुरीर, नौहझील, शेरगढ़, गोवर्धन, अड़ींग, खामनी, सहार, छाता, दौताना, वृंदावन, कोसीकलां सहित अन्य ग्रामीण इलाकों में आज अलविदा जुमे की नमाज पढ़ने के लिए बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग पहुंचे।

पवित्र माह रमजान का आज 30 वां रोजा होने के बाद कल ईद का त्यौहार मनाया जाएगा। ईद के त्यौहार को लेकर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों तैयारियां शुरू हो गई। कल होने वाली ईद को लेकर घरों में तैयारियां शुरू हो गई है।

कल बनने वाली इस त्योहार की स्पेशल डिश संेवईयों को बनाने की लिए लोगों ने दूध के साथ मेवे और सेवई की खरीदारी शुरू कर दी है। ईद को देखते हुए हलवाइयों की दुकानों पर दूध खरीदने के लिए लोगों की भीड़ दिखाई दी। महिलाओं और बच्चों ने भी अपने कपड़े, जूते, चूड़ियां सहित अन्य सामान खरीदना शुरू कर दिया। इसके चलते बाजार में आज खासी भीड़ रही। घीया मंडी और चौक बाजार के बाजारों में महिलाओं ने जमकर खरीदारी की।

शाही मस्जिद ईदगाह में ईद-उल-फितर की नमाज कल प्रात: 8 बजे होगी

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को ईदगाह में ईद-उल-फितर की नामज प्रातः आठ बजे होगी। शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के सचिव तनवीर अहमद एडवोकेट ने जानकारी दी कि शाही मस्जिद ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज शनिवार को आठ बजे होगी। नमाज शहर मुफ्ती मौहम्मद आसिफ रजा पढ़ाएंगे। कुतबा हाफिज अब्दुल कदीर द्वारा पढ़ा जाएगा। सचिव ने बताया कि ईंद की नमाज के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम के अधिकारियों द्वारा 25 दिन पूर्व बैठक में शाही मस्जिद ईदगाह सहित मुस्लिम बाहुल्य मौहल्लों में साफ-सफाई कराने का भरोसा दिया था, लेकिन अभी तक नगर निगम द्वारा सफाई कहीं नहीं कराई गई है।

तीन दिन पहले हुए साम्प्रदायिक झगड़े के दो आरोपी दबोचे

यूनिक समय, राया (मथुरा)। मंगलवार की रात्रि गांव फजियत पुर की नगरिया में स्कूटी चोरी के प्रयास में हुए मामूली विवाद में साम्प्रदायिक तनाव हो जाने के बाद पथराव और धारदार हथियारों से हमला करने के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बताते चलें गांव फजियत पुर की नगरिया निवासी चंद्रपाल व उसके परिजनों को नामजदों ने सरिया लाठी डंडों फरसा चाकू आदि से मारपीट कर घायल कर दिया। मामला विशेष समुदाय से होने के कारण तमाम हिंदूवादी संगठनों ने थाना राया में विरोध प्रदर्शन किया था। इस मामले में पीड़ित ने दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ थाना राया में मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले में शुक्रवार को पुलिस ने सूरज फाटक के समीप काले उर्फ युसूफ और मुबीन पुत्र मुन्ना निवासी मोहल्ला व्यापारी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

ईद और जुमे की नमाज को लेकर राया में सतर्कता

राया में भ्रमण करते पुलिस और पीएसी के जवान।

यूनिक समय, राया (मथुरा)। शुक्रवार को रमजान अलविदा की जुमे की आखिरी नमाज एवं शनिवार को ईद पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण भाईचारे के साथ मनाने के लिए राया पुलिस ने पीएसी जवानों के साथ कस्बे में फ्लैग मार्च किया। थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने मय पुलिसबल के साथ मोहल्ला व्यापारी, सुल्तानगंज, मोहल्ला पठानपाड़ा, मांट रोड एवं ईदगाह आदि स्थानों पर जाकर लोगों से शांतिपूर्ण सौहार्द भाईचारे के साथ मिलजुल कर ईद का त्योहार मनाने की अपील की। इस मौके पर क्राइम प्रभारी अरविंद कुमार एवं कस्बा पुलिस चौकी प्रभारी उज्ज्वल शर्मा आदि मौजूद थे। छाता में ईद एवं नवरात्रि त्योहार को लेकर छाता पुलिस व पीएसी के जवानों ने शुक्रवार को कस्बे के संवेदनशील इलाकों में पैदल फ्लैग मार्च किया।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

मथुरा में मौसम का ऑरेंज अलर्ट : तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का खतरा

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार जनपद मथुरा समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तीन दिन तक मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ रहेगा। अब 21 मार्च का दिन आखिरी दिन है। तेज हवा, मेघगर्जन, वज्रपात और कहीं-कहीं ओलावृष्टि की आशंका को देखते हुए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से 18 मार्च से शुरू हुआ वर्षा का दौर 20 मार्च को चरम पर रहेगा और 21 मार्च तक जारी रहने की संभावना है। इस दौरान

पश्चिमी विक्षोभ का असर तापमान में गिरावट

40-60 किमी रफ्तार से चलेंगी तेज हवाएं

अधिकतम तापमान में 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे मौसम में अचानक ठंडक बढ़ेगी। मौसम विभाग के जिला स्तरीय चेतावनी रिपोर्ट के अनुसार मथुरा सहित कई जिलों में 40 से 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जो झोंकों में 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं।

इसके साथ ही मेघगर्जन और वज्रपात की भी प्रबल संभावना जताई गई है।

20 मार्च की स्थिति और गंभीर हो सकती है, जब ओलावृष्टि और तेज आंधी का दायरा और बढ़ेगा। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। पूर्वानुमान के अनुसार मथुरा क्षेत्र में 20 मार्च को अनेक स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश और बौछारें पड़ सकती हैं, जबकि 21 मार्च को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी। इसके बाद 22 और 23 मार्च को मौसम शुष्क रहने के आसार हैं।

मौसम के बदले तेवर से किसानों की बढ़ी चिंता

पकी फसल पर मंडराया संकट

मंडी समिति में बारिश से हुआ जलभराव।

बारिश और तेज हवाओं से गेहूं व सरसों की फसल गिरने लगी

मेहनत पर पानी फिरने का डर

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में पिछले दो दिनों से मौसम ने अचानक करवट बदल ली है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। आसमान में बादल छाए रहने, बीच-बीच में बारिश होने और तेज हवाएं चलने से खेतों में खड़ी पकी हुई गेहूं और सरसों की फसल को नुकसान पहुंचने लगा है।

इस बदलाव ने किसानों की नींद हराम कर दी है और वे अपनी मेहनत को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। किसानों का कहना है कि इस समय फसल पूरी तरह पक चुकी है और कटाई के लिए तैयार है। ऐसे में अगर लगातार बारिश होती रही या तेज हवाएं चलती रहीं, तो खेतों में खड़ी फसल गिरने लगेगी, और दाने खराब हो सकते हैं। कई जगहों पर गेहूं की फसल पहले ही झुकने लगी है, ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के चेहरों से मुस्कान गायब हो गई है। वे बार-बार आसमान की ओर देखकर मौसम के साफ होने की उम्मीद कर रहे हैं। किसानों को डर सता रहा है कि अगर मौसम ने और खराब रुख अपनाया तो उनकी महीनों की मेहनत पर पानी फिर सकता है।

सरसों की फसल भी इस समय पूरी तरह तैयार है और तेज हवा व बारिश से उसकी फलियां झड़ने का खतरा बना हुआ है। किसानों का मानना है कि यदि इस समय मौसम साफ रहता है तो उन्हें अच्छी पैदावार मिल सकती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन यदि बारिश और हवाएं चलती रहीं तो उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। कई किसानों ने बताया कि खेतों में पानी भरने से भी फसल को नुकसान होगा और कटाई का काम भी प्रभावित होगा। मौसम के इस बदलाव का असर केवल किसानों तक ही सीमित नहीं रहा। किसान जगराम सिंह ने कहा कि सरसों की फसल भी कटाई के लिए तैयार है। तेज हवा से फलियां झड़ रही हैं, जिससे चिंता बढ़ गई है। किसान वीरपाल का कहना है कि हमने पूरे साल मेहनत की है। अगर अभी बारिश ज्यादा हो गई तो सारी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। धर्मेंद्र सिंह का कहना है कि मौसम का कोई भरोसा नहीं है। अगर दो-तीन दिन और ऐसे ही रहे तो फसल पूरी तरह खराब हो सकती है। किसाना सुरेश चंद्र का कहना है कि खेतों में पानी भरने का डर है। कटाई भी रुक जाएगी और नुकसान अलग से होगा। सोनू कुमार ने कहा कि इंद्र देव अगर ज्यादा मेहरबान हो गए तो किसानों की हालत बहुत खराब हो जाएगी। यही डर सबसे ज्यादा सता रहा है।

छाता । पिछले दो दिन से हो रही बेमौसम बरसात से किसान की फसल बर्बाद हो गई हैं। खेतों में पानी भरने के कारण गेहूं धान और सब्जियां पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं। किसानों का कहना है कि इस समय हो रही बारिश काफी नुकसानदायक है। किसान बर्बाद हो गया। उसके सामने आर्थिक संकट आ जाएगा। छाता क्षेत्र के सिंहाना, अलवाई, रनवारी, सांखी, उमराया, गोहारी, दौताना, नरी ,लाडपुर तथा सेमरी सहित पूरे इलाकों में तैयार फसल खेतों में ही बिछ गई है। पीड़ित किसानों ने सरकार और प्रशासन से मुआवजे की गुहार लगाई है।

बारिश के कारण गिरी फसल का नजारा।

कंकाली में रोड पर बारिश से जलभराव हुआ।

नुकसान का होगा सर्वे

यूनिक समय, मथुरा। जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह ने बताया कि जिले में गेंहू की फसल करीब एक लाख 65 हजार हेक्टेयर की बुवाई हुई है। जिले में दो दिन से मौसम खराब के चलते खेतों में खड़ी फसल गिर गई है। उन्होंने कहा कि जिस किसान की फसल गिर गई है। स्टाफ द्वारा सभी गिरी हुई सभी किसानों की फसलों की सर्वे कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों ने प्रार्थना पत्र दिए है, उसके माध्यम से भी उनकी फसलों की सर्वे कराई जाएगी। ऐसे बहुत किसान है जो अपनी फसल की बीमा करा लिया है। उनके द्वारा भी सर्वे कराया जाएगा।

बारिश ने रोकी शहर की रफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मौसम के अचानक बदले मिजाज का असर जनपद में साफ दिखाई दे रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई है। सुबह के समय ठंडी हवाओं और बारिश के कारण लोग समय से अपने कार्यालय नहीं पहुंच पाए। वहीं, मौसम का असर बच्चों पर भी देखने को मिला। ठंडक और बादलों के कारण बच्चों ने स्कूल जाने में आनाकानी की और अभिभावकों को भी उन्हें भेजने में परेशानी हुई। ग्रामीण इलाकों में तो कई बच्चे देर से स्कूल पहुंचे या छुट्टी कर बैठे।

लंदन से मथुरा के लोगों को सीख लेनी चाहिए

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। स्वच्छता अभियान के तहत लोगों को कितना भी जागरूक कर लो, लेकिन लोग करते तो हैं मनमानी। कहीं पर थूक देते हैं। कहीं पर कूड़ा डाल देते हैं। यदि ब्रिटेन की राजधानी लंदन की तरह जुर्माना लगने लगे तो लोग सतर्क हो जाएंगे और यह सोचने को विवश होंगे कि आखिर उनको कहां थूकना है और कहां पर गंदगी को फेंकना है। गौरतलब है कि ब्रिटेन की राजधानी लंदन की एक काउंसिल ने भारतीय मूल के दो लोगों पर पान की पीक थूकने के लिए भारी जुर्माना लगाया है। ब्रेंट इलाके में पान की पीक थूकने के लिए इन दोनों पर 1300 पाउंड से ज्यादा का

सड़क पर पान की पीक थूकने पर लगा जुर्माना

जुर्माना लगाया गया है। ब्रेंट काउंसिल ने हालिया समय में सड़कों पर पान या गुटखा थूकने के खिलाफ अभियान चलाते हुए लगातार जुर्माना वसूला है। ब्रेंट काउंसिल ने एजवेयर में रहने वाले भारतीयमूल के एक युवक पर नॉर्थ वेस्ट लंदन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 1,391 पाउंड (1 लाख, 72 हजार रुपए) का जुर्माना लगाया है। वह अपनी सुनवाई के लिए कोर्ट में पेश नहीं हुए तो उनकी गैर-मौजूदगी में उन पर आरोप साबित हो गया। उन्हें 11 जून, 2025 को किंग्सबरी में सड़क पर पान थूकने का दोषी पाया था।

वृंदावन शोध संस्थान को दूसरी किश्त, ब्रज विरासत को रफ्तार

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन शोध संस्थान को चालू वित्तीय वर्ष के तहत 25 लाख रुपये की दूसरी एवं अंतिम किश्त जारी की गई है। इससे संस्थान में चल रहे शोध कार्यों, सांस्कृतिक गतिविधियों और विकास योजनाओं को नई गति मिलने की उम्मीद है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पचास लाख रुपये के प्रावधान के सापेक्ष यह अंतिम किश्त जारी की गई है। इससे पहले प्रथम किश्त के रूप में धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी थी, जबकि अवशेष कार्यों को पूरा करने के लिए यह अंतिम वित्तीय सहयोग प्रदान किया गया है। वृंदावन शोध संस्थान ब्रज संस्कृति, इतिहास और परंपराओं के संरक्षण एवं अध्ययन का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां विभिन्न शोध परियोजनाओं, दस्तावेजीकरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने का कार्य किया जाता है। इस वित्तीय सहायता से संस्थान की गतिविधियों में तेजी आएगी और ब्रज क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण को नई मजबूती मिलेगी।

जीएलए में श्रीकृष्ण–द्रौपदी अंतर्कथा में सजीव हुआ धर्म और इतिहास

जीएलए में द्रौपदी ड्रीम ट्रस्ट के कलाकारों ने कथक के माध्यम से दर्शाया श्रीकृष्ण–द्रौपदी इतिहास

जीएलए विश्वविद्यालय में आयोजित द्रौपदी अंतर्कथा कार्यक्रम के दौरान कलाकारों के साथ हैं अखिल भारतीय संपर्क विभाग के प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रामलाल, विशिष्ट अतिथि सांसद हेमामालिनी, द्रौपदी ड्रीम ट्रस्ट की अध्यक्ष नीरा मिश्रा तथा जीएलए के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, चीफ फाइनेंस ऑफिसर विवेक अग्रवाल, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह व अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय में द्रौपदी ड्रीम ट्रस्ट ने श्रीकृष्ण–महारानी द्रौपदी संवाद एवं महारानी द्रौपदी अंतर्कथा का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर कथक नृत्य के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण और महारानी द्रौपदी के जीवन, उनके संघर्ष, आत्मसम्मान और धर्म के सिद्धांतों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अखिल भारतीय संपर्क विभाग के प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रामलाल जी, विशिष्ट अतिथि सांसद हेमामालिनी, द्रौपदी ड्रीम ट्रस्ट की अध्यक्ष नीरा मिश्रा तथा जीएलए के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, चीफ फाइनेंस ऑफिसर विवेक अग्रवाल, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में नीरा मिश्रा ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पांचाल क्षेत्र में महारानी द्रौपदी को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना तथा उनके वास्तविक स्वरूप और योगदान को समाज के समक्ष प्रस्तुत करना है। उन्होंने कहा कि द्रौपदी केवल एक ऐतिहासिक पात्र नहीं, बल्कि नारी शक्ति, सम्मान और साहस की प्रतीक हैं। नीरा मिश्रा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा आज के युवाओं के लिए अपनी संस्कृति, इतिहास और मूल्यों को समझना अत्यंत आवश्यक है। द्रौपदी का जीवन हमें यह सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य, आत्मबल और सत्य के मार्ग पर अडिग रहना चाहिए। यदि युवा इन आदर्शों को अपनाएं, तो वे अपने जीवन में सफलता के साथ–साथ समाज के लिए भी उदाहरण बन सकते हैं। द्रौपदी ड्रीम ट्रस्ट ने अपनी स्थापना के 22 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस विशेष नृत्य–नाटिका का मंचन किया। कवि अकबर महफूज आलम रिजवी द्वारा रचित इस प्रस्तुति में गीता के उपदेशों की पृष्ठभूमि बनने वाली घटनाओं को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ शब्दों में पिरोया गया, जिसे कलाकारों ने अपने नृत्य और भाव–भंगिमाओं से जीवंत कर दिया। इस प्रस्तुति के लिए कथक नृत्य शैली का चयन विशेष रूप से किया गया, क्योंकि यह विधा प्राचीन काल से ही भागवत और पौराणिक कथाओं के प्रसार का प्रमुख माध्यम रही है। नृत्य–नाटिका के माध्यम से धर्मयुद्ध, कर्तव्य और गीता के सार को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति में गुरु सदानंद बिस्वास ने श्रीकृष्ण तथा सुचिता मजुमदार ने महारानी द्रौपदी की भूमिका निभाते हुए अपने सशक्त अभिनय और नृत्य से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूर्व–रिकॉर्ड की गई इस प्रस्तुति में 'हम लोग' धारावाहिक के प्रसिद्ध कलाकार अभिनव चतुर्वेदी ने श्रीकृष्ण के संवादों को स्वर दिया, जबकि रंगमंच निर्देशिका मधुमिता मानवी ने द्रौपदी के संवादों को प्रभावशाली अभिव्यक्ति प्रदान की। कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि समग्र शिक्षा में ज्ञान के साथ–साथ संस्कृति और कला का समावेश आवश्यक है। इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल वीके चतुर्वेदी, वसुधा, रंजीत चतुर्वेदी, श्रीचन्द्र वाधवा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सहयोग जीएलए डीन स्टूडेंट वेलफेयर विभाग की सीनियर मैनेजर निहारिका सिंह का रहा।

दुवासु में विश्व गौरैया दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम हुआ

गौरैया की वापसी के लिए छात्रों की पहल

दुवासु में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र एवं वेंकट श्रीकर पटेल आदि।

यूनिक समय, मथुरा। दयानंद विश्वविद्यालय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (डुवासु) में विश्व गौरैया दिवस पर "स्पैरो क्लब" की ओर से सरल और उपयोगी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर छात्रों ने लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि गौरैया को बचाना क्यों जरूरी है और इसके लिए हम क्या कर सकते हैं। यह क्लब करीब तीन महीने पहले छात्रों ने शुरू किया था। कुलपति डॉ. अभिजित मित्र और शिक्षक डॉ. आर. पी. पांडेय की प्रेरणा से यह पहल शुरू हुई। विश्वविद्यालय में कई तरह के पक्षी दिखाई देते हैं, लेकिन गौरैया नहीं दिखने पर छात्रों ने इसे वापस लाने का प्रयास शुरू किया। कार्यक्रम से पहले छात्रों ने परिसर में गौरैया के लिए घोंसले (नेस्ट बॉक्स), दाना और पानी की व्यवस्था की, ताकि उन्हें रहने के लिए सही जगह मिल सके। मुख्य अतिथि उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि गौरैया बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। वेंकट श्रीकर पटेल ने बताया कि पेड़–पौधे बढ़ाने से पक्षियों को फायदा मिलेगा। छात्रों ने एक छोटी फिल्म भी दिखाई। सभी ने पक्षियों की सुरक्षा करने की शपथ ली और नए घोंसले लगाए, ताकि गौरैया फिर से नजर आ सके।

15 हजार का इनामी नशा तस्कर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। जैंत पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले 15 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस को एक लाख रुपये से अधिक की रकम भी बरामद हुई।

एएनटीयू टीम और जैंत पुलिस ने एक सूचना के आधार पर धौलीप्याऊ की तरफ कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेट फार्म पर जाने वाले रास्ते से 15 हजार के इनामी तस्कर जसवीर सिंह उर्फ जस्सा निवासी रोहटी कुरुक्षेत्र हरियाणा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे मादक पदार्थों की बिक्री से प्राप्त एक लाख 1 हजार 460 रुपये, एक मोबाइल आदि बरामद किया है।

फसल कटाई के दौरान हमला, आधा दर्जन घायल

22 नामजदों सहित 25 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, नौहझील। नौहझील के गांव अड्डा मल्हान बाघर्रा में फसल की कटाई के दौरान कुछ हमलावरों ने खेतों में काम कर रहे लोगों पर हमला कर दिया। हमलावरों ने लोगों को बुरी तरह से पीटा जिससे आधा दर्जन लोग घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में 22 नामजदों और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। फूल सिंह ने बताया कि 3 मार्च को उनके परिवार के लोग अन्य ग्रामीणों के साथ खेत में सरसों की फसल काट रहे थे। इसी दौरान गांव के ही दूसरे पक्ष के हथियारों से लैस होकर वहां पहुंचे लोगों ने गालियां देते हुए मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने उदय सिंह, पवन, बल्देव, चंद्रपाल, रमेश और ऊधर सिंह को गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमलावर पुलिस को आता देख मौके से भाग गए। पुलिस ने सभी घायलों को नौहझील सीएचसी में भर्ती कराया। घायलों में उदय सिंह की हालत गंभीर होने के कारण उसे आगरा रैफर कर दिया गया है। थाना प्रभारी सोनू सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर गंगा राम, श्याम, गया प्रसाद, रमेश्वर, मोहन श्याम, पवन, मनोज, सरवन, गिर्राज, करन, जीतू, ओमप्रकाश, मनोज, राजवीर, धर्मपाल, पदम, सुंदर, दिनेश, नीरज, तुलसी, रवि, पवन के अलावा 25 अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

गांजे के साथ दो गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। शेरगढ़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 580 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान जंघावली पुलिया के समीप बने कोठरे के समीप से अभियुक्त त्रिलोकी निवासी गांव दलौता व चौधरी अर्जुन सिंह गुलालपुरिया पब्लिक स्कूल के समीप से रिशी निवासी दलौता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 580 ग्राम गांजा बरामद किया है। दोनों के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीसी एक्ट में कार्रवाई की है।

किशोरी को अगवा करने पर अभियुक्त को तीन वर्ष की कैद

यूनिक समय, मथुरा। एडीजे अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट द्वितीय ब्रिजेश कुमार की अदालत ने किशोरी को अगवा करने के आरोपी को 3 वर्ष के कठोर कारावास और 15 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक रामपाल सिंह ने बताया कि थाना हाईवे के गोवर्धन रोड स्थित कॉलोनी में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी घर से प्रातः15 दिसंबर 2015 को कॉलेज जाने के लिए निकली थी। इसके बाद किशोरी घर नहीं लौटी। परिजनों ने जब उसकी तलाश की तो पता चला कि किशोरी को पड़ोस में रहने वाला दिनेश बहला फुसला कर भगा ले गया है। किशोरी के पिता ने दिनेश के खिलाफ हाईवे थाने में बेटी को अगवा करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने दिनेश को गिरफ्तार कर किशोरी को बरामद किया था। पुलिस ने दिनेश के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट द्वितीय ब्रिजेश कुमार की अदालत में हुई। न्यायाधीश ने अभियुक्त को दोषी करार देते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

बेटे की हत्या में शामिल बहू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज न होने पर माँ पहुंची थाने

बहु पर भी हत्या का मामला दर्ज कर जेल भेजने की मांग

यूनिक समय, गोवर्धन। थाना मगोर्रा के गाँव अहमल में गत दिन आपसी गृह क्लेश के चलते बड़े भाई मेघश्याम ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर अपने छोटे भाई निरंजन की गला रेत कर निर्मम हत्या की घटना को अंजाम दिया था, जिसमे मृतक निरंजन के माता–पिता के अनुसार पुलिस ने तहरीर भी लिखी थी मगर थाना मगोर्रापुलिस ने इस मामले में निरंजन की हत्या में शामिल उसकी भाभी का नाम न होने से मृतक का परिवार व ग्रामीण नाखुश हैं। ग्राम अहमल के कुछ ग्रामीण व मृतक की माँ आज थाना मगोर्रा पहुंची और प्रकरण में थाना प्रभारी से मुलाकात कर हत्या में शामिल बड़ी बहू का नाम भी दर्ज कराकर मृतक के सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की गुहार लगाई। मीडिया से बात करते हुये मृतक की माँ ने आंखों में आंसू लिये अपने बेटे के लिये न्याय की मांग की ताकि इस तरह आगे कोई भी अपने सगे भाई के साथ इस तरह की जघन्य व निर्मम घटना को अंजाम न दे।

पहल | महिलाओं के लिए 'पिंकी प्रॉमिस' बनी सुरक्षित डिजिटल हेल्थ क्लीनिक

एआई क्लीनिक से मिलेगी महिलाओं को गोपनीय सलाह

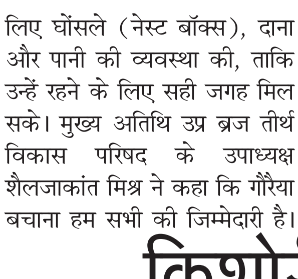

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी झिझक और गोपनीयता की समस्या को दूर करने के लिए पिंकी प्रॉमिस एक नई उम्मीद बनकर उभरा है। वर्ष 2022 में मुंबई में दिव्या कामरकर और आकांक्षा व्यास द्वारा शुरू किया गया यह एआई आधारित डिजिटल क्लीनिक महिलाओं को स्त्री रोग संबंधी समस्याओं पर सुरक्षित और गोपनीय सलाह प्रदान करता है। दिव्या कामरकर ने येल यूनिवर्सिटी से बायोलॉजी की पढ़ाई की है, जबकि आकांक्षा व्यास कंप्यूटर साइंस पृष्ठभूमि से आती हैं। दोनों ने मिलकर तकनीक और चिकित्सा ज्ञान को जोड़ते हुए ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार किया, जहां महिलाएं बिना झिझक अपनी समस्याएं साझा कर सकें। इस डिजिटल क्लीनिक की खासियत इसका सरल और यूजर–फ्रेंडली इंटरफेस है, जहां महिलाएं गायनेकोलॉजिस्ट से उसी सहजता से बातचीत कर सकती हैं जैसे किसी करीबी दोस्त से करती हैं। खासकर उन महिलाओं के लिए यह प्लेटफॉर्म बेहद उपयोगी साबित हो रहा है, जो सामाजिक संकोच या अन्य कारणों से डॉक्टर से आमने–सामने बात करने में असहज महसूस करती हैं। अब तक देशभर में चार लाख से अधिक महिलाएं इस प्लेटफॉर्म का लाभ उठा चुकी हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि डिजिटल हेल्थ सेवाओं की ओर महिलाओं का भरोसा तेजी से बढ़ रहा है।

'पिंकी प्रॉमिस' का उद्देश्य केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना और उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपनी समस्याओं पर खुलकर बात करने के लिए प्रेरित करना भी है। यह पहल महिला स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, सुरक्षित और भेदभाव मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

भाजपा के जिला मंत्री बने भानु प्रताप

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी की घोषित की गई जिला कार्यकारिणी में भानु प्रताप सिंह को जिला मंत्री का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। भानु प्रताप सिंह का राजनीतिक सफर समर्पण, संघर्ष और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा का जीवंत उदाहरण है। बलदेव विधानसभा क्षेत्र के गाँव सुखदेव पुर निवासी भानु प्रताप ने अपने सामाजिक जीवन की शुरुआत वर्ष 2009 में छात्र राजनीति से की थी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़कर उन्होंने संगठन के विभिन्न दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया।

तमंचा कारतूसों के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार पुलिस ने एक अभियुक्त को देशी तमंचा कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सिरया की नगरिया अंडर पास के समीप शाहपुर गांव की ओर से अभियुक्त अमित उर्फ अमिताभ बच्चन निवासी दीवाना खुर्द को एक देशी तमंचा व कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है।

सांस लेने में परेशानी और ऑक्सीजन की कमी होने पर ये आसान उपाय करें

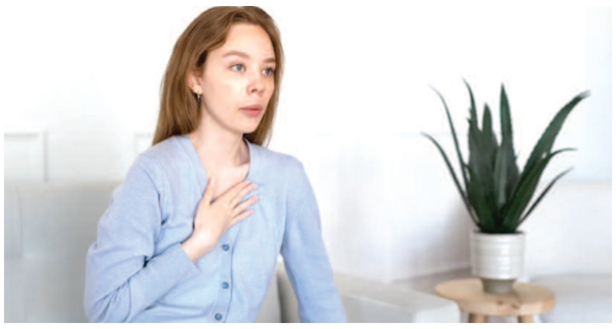

यूनिक समय, नई दिल्ली। शरीर में ऑक्सीजन का सही स्तर बनाए रखना बेहद जरूरी है, क्योंकि यह हमारी कोशिकाओं, टिशूज और अंगों के सही कामकाज के लिए आवश्यक होता है। जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है तो इसे हाइपोक्सिमिया कहा जाता है। इस स्थिति में सांस लेने में दिक्कत, थकान, चक्कर आना और घबराहट जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। सामान्य तौर पर ऑक्सीजन लेवल (एसपीओ-2) 95 प्रतिशत से 100 प्रतिशत के बीच होना चाहिए, जबकि 90 प्रतिशत से नीचे जाना चिंता का विषय हो सकता है।

ऑक्सीजन की कमी के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे अस्थमा, निमोनिया, फेफड़ों की बीमारी, खून की कमी, तनाव या उंचाई वाले स्थान पर रहना। इसके लक्षणों में तेज सांस लेना, दिल की धड़कन बढ़ना, होंठ या उंगलियों का नीला पड़ना और कमजोरी शामिल हैं। ऐसी स्थिति में सबसे पहले खुली और ताजी हवा वाली जगह पर जाएं और गहरी सांस लेने की कोशिश करें। आराम से बैठकर या लेटकर नाक से गहरी सांस लें और धीरे-धीरे मुंह से बाहर छोड़ें। यह प्रक्रिया 5-10 मिनट तक करने से फेफड़ों की क्षमता बेहतर होती है और ऑक्सीजन लेवल बढ़ाने में मदद मिलती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी जरूरी है।

पानी शरीर को हाइड्रेट रखता है और फेफड़ों में जमा बलगम को ढीला करता है, जिससे सांस लेना आसान हो जाता है। इसके अलावा हल्की वॉक या स्ट्रेचिंग करने से भी शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर होता है। खानपान पर ध्यान देना भी जरूरी है।

और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर आहार जैसे हरी सब्जियां, दालें, नट्स और फल फेफड़ों और रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं। साथ ही, अनुलोम-विलोम और ध्यान करने से सांस की गति नियंत्रित होती है और मानसिक तनाव कम होता है। अगर समस्या लगातार बनी रहे या ऑक्सीजन लेवल बहुत कम हो जाए, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम से बचने के घरेलू उपाय

यूनिक समय, नई दिल्ली। मौसम में बदलाव के साथ -, गले में खराश, नाक बहना और हल्का बुखार जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। अचानक तापमान में उतार-चढ़ाव होने से शरीर को नए मौसम के अनुसार ढलने में समय लगता है, जिससे इम्यूनिटी कमजोर पड़ सकती है। यही कारण है कि इस समय वायरल संक्रमण तेजी से फैलता है और लोग जल्दी बीमार पड़ जाते हैं।

अदरक का रस निकालकर उसमें एक चम्मच शहद मिलाकर दिन में दो बार लेने से गले की खराश और कफ में राहत मिलती है। इसी तरह, हल्दी वाला दूध भी काफी फायदेमंद होता है। रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। तुलसी और काली मिर्च की चाय भी बदलते मौसम में बहुत लाभकारी होती है। 5-7 तुलसी की पत्तियों और 2-3 काली मिर्च को पानी में उबालकर पीने से वायरल संक्रमण से बचाव होता है।

कुट्टू के आटे से बनी चीजों का सावधानी से सेवन करें

यूनिक समय, नई दिल्ली। नवरात्रि के दौरान कुट्टू के आटे से बनी चीजें जैसे पूरी, पकौड़े और पराठे खूब खाए जाते हैं। इसे ग्लूटेन-फ्री और पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है, लेकिन यह हर किसी के लिए फायदेमंद हो, ऐसा जरूरी नहीं है। जिन लोगों का पाचन तंत्र कमजोर होता है, उन्हें कुट्टू का आटा सोच-समझकर खाना चाहिए। इसमें मौजूद फाइबर कई बार गैस, पेट फूलना, एसिडिटी या कब्ज जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है, खासकर जब इसे अधिक मात्रा में खाया जाए। लो ब्लड प्रेशर से जूझ रहे लोगों को भी सावधानी बरतनी चाहिए।

कुट्टू शरीर के ब्लड फ्लो को प्रभावित कर सकता है, जिससे चक्कर या कमजोरी महसूस हो सकती है। ऐसे में सीमित मात्रा में ही सेवन करें। डायबिटीज मरीजों के लिए कुट्टू फायदेमंद माना जाता है, लेकिन इसे तलकर खाने से समस्या बढ़ सकती है। तली हुई पूड़ी या पकौड़ी की जगह रोटी या चीला बेहतर विकल्प हैं, जिससे ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है। इसके अलावा, ज्यादा तला हुआ कुट्टू खाने से कोलेस्ट्रॉल और वजन बढ़ सकता है, जो दिल के मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। व्रत के दौरान संतुलित आहार लें, फल, दूध और मेवे भी शामिल करें। अगर कोई दिक्कत महसूस हो, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

वर्किंग पार्टनर को कैसे करें सपोर्ट: बनें उनका मजबूत सहारा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में वर्किंग महिलाएं घर और ऑफिस दोनों की जिम्मेदारियां संभालती हैं, जिससे उनकी मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर असर पड़ सकता है। ऐसे में पार्टनर का सहयोग उनके जीवन को काफी आसान बना सकता है।

सबसे जरूरी है घर के कामों में बराबरी से हाथ बंटाना। किचन, सफाई या रोजमर्रा के छोटे-छोटे कामों में मदद करने से उनका बोझ कम होता है और रिश्ते में साझेदारी की भावना मजबूत होती है। यह दिखाता है कि आप उन्हें अकेला नहीं छोड़ रहे। साथ ही, उनकी भावनाओं और मेहनत को समझना भी बेहद जरूरी है। कई बार वे सिर्फ शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी थक जाती हैं। ऐसे में उनकी बात ध्यान से सुनना और उनकी सराहना करना उन्हें भावनात्मक सहारा देता है। उन्हें अपने लिए समय निकालने के लिए प्रोत्साहित करें।

चाहे वह आराम करना हो, दोस्तों से मिलना हो या अपनी पसंद का कोई काम करना-यह उनके मानसिक संतुलन के लिए जरूरी है। जब आप समझदारी और सहयोग से रिश्ता निभाते हैं, तो न सिर्फ उनका जीवन आसान होता है, बल्कि आपका रिश्ता भी और मजबूत बनता है।

बच्चों के लिए शकरकंद और गुड़ से बनाएं टेस्टी डेजर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप बच्चों को स्वादिष्ट और हेल्दी मिठाई खिलाना चाहती हैं, तो शकरकंद और गुड़ से बनी ब्राउनी एक बेहतरीन विकल्प है। यह ब्राउनी न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होती है, बल्कि इसमें रिफाइंड शुगर की जगह गुड़ का इस्तेमाल होने से यह ज्यादा पौष्टिक भी बनती है।

शकरकंद इस रेसिपी का सीक्रेट इंग्रीडिएंट है, जो ब्राउनी को नैचुरल मिठास और सॉफ्ट टेक्सचर देता है। वहीं गुड़ शरीर को आयरन और ऊर्जा प्रदान करता है, जिससे बच्चों की सेहत को भी फायदा मिलता है। खास बात यह है कि यह ब्राउनी बिना ओवन के भी आसानी से कुकर या कढ़ाई में बनाई जा सकती है। इसे बनाने के लिए उबले हुए शकरकंद को मैश करें, उसमें गुड़, थोड़ा कोको पाउडर और आटा मिलाकर बैटर तैयार करें। फिर इसे धीमी आंच पर पकाएं। कुछ ही समय में आपकी हेल्दी ब्राउनी तैयार हो जाएगी। यह रेसिपी उन पैरेंट्स के लिए परफेक्ट है जो बच्चों को हेल्दी और टेस्टी दोनों देना चाहते हैं।

डिनर में दही खाना सही है या नहीं? जानिए पूरी सच्चाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। दही एक पौष्टिक और हेल्दी फूड माना जाता है, लेकिन इसे कब खाना चाहिए, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आयुर्वेद के अनुसार, रात के समय दही खाने से बचना चाहिए, क्योंकि इसकी तासीर शरीर पर अलग प्रभाव डाल सकती है। आयुर्वेद में दही को 'अभिष्यंदी' माना गया है, यानी यह शरीर की नलिकाओं में रुकावट पैदा कर सकता है। रात के समय शरीर में कफ दोष स्वाभाविक रूप से बढ़ता है, और ऐसे में दही का सेवन खांसी, जुकाम, गले में खराश या साइनस जैसी समस्याओं को बढ़ा सकता है। इसके अलावा, दही पचने में थोड़ा भारी होता है।

रात में हमारी शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं और मेटाबॉलिज्म धीमा पड़ जाता है, जिससे दही खाने पर पेट में भारीपन, गैस या ब्लोटिंग हो सकती है। जिन लोगों को गठिया या यूरिक एसिड की समस्या है, उनके लिए रात में दही खाना परेशानी बढ़ा सकता है। इससे जोड़ों में सूजन और दर्द की शिकायत हो सकती है। कुछ मामलों में, गलत समय पर दही खाने से स्किन से जुड़ी समस्याएं, जैसे मुंहासे या रैशेज भी हो सकते हैं।

अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो रात में गाढ़ा और मलाईदार दही खाने से बचना चाहिए, क्योंकि इसकी कैलोरी शरीर में फैट के रूप में जमा हो सकती है। हालांकि, यदि दही खाना ही है तो उसमें काली मिर्च या थोड़ा शहद मिलाकर दिन के समय सेवन करना ज्यादा बेहतर माना जाता है।

आंवला पुदीना की कुटी हुई चटनी रेसिपी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंवला और पुदीना की चटनी स्वाद और सेहत दोनों के लिए बेहद फायदेमंद होती है, खासकर गर्मियों में। यह चटनी शरीर को ठंडक देती है और पाचन को बेहतर बनाती है। इसे बिना मिक्सी के कूटकर बनाने से इसका स्वाद और भी ज्यादा बढ़ जाता है।

इस चटनी को बनाने के लिए 2 आंवला लेकर उनके बीज निकाल लें। इसके साथ ताजे पुदीने के पत्ते, 1-2 हरी मिर्च, 2 लहसुन की कलियां, थोड़ा जीरा और नमक लें। सभी चीजों को अच्छी तरह धोकर बारीक काट लें। अब इन्हें सिलबट्टे या ओखली में डालकर धीरे-धीरे कूटें। कुछ ही समय में दरदरी और खुशबूदार चटनी तैयार हो जाएगी।

यह चटनी खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ-साथ गैस, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याओं में राहत देती है। आंवला विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जबकि पुदीना शरीर को ठंडा रखता है। नियमित सेवन से इम्यूनिटी मजबूत होती है, त्वचा और बालों को भी फायदा मिलता है।

रत्नागिरी के टॉप 10 घूमने लायक स्थान

सुकून और खूबसूरती का अनोखा संगम

यूनिक समय, नई दिल्ली। रत्नागिरी महाराष्ट्र का एक खूबसूरत और शांत पर्यटन स्थल है, जो साफ समुद्र तटों, ऐतिहासिक किलों, हरियाली और आध्यात्मिक जगहों के लिए जाना जाता है। अगर आप भीड़-भाड़ से दूर सुकून भरी ट्रिप प्लान कर रहे हैं, तो यह जगह आपके लिए परफेक्ट है।

रत्नागिरी की खासियत यहां के शांत बीच, कोकण का स्वादिष्ट खाना और प्रसिद्ध अल्फांसो आम हैं। यहां घूमने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच माना जाता है, जब मौसम सुहावना रहता है। यहां की सबसे प्रसिद्ध जगहों में गणपतिपुले बीच और मंदिर महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में कोंकण तट पर स्थित एक प्रसिद्ध आध्यात्मिक और पर्यटन स्थल है। जहां समुद्र किनारे भगवान गणेश का मंदिर स्थित है। इसके अलावा रत्नागिरी लाइटहाउस से अरब सागर का शानदार नजारा देखने को मिलता है, खासकर सूर्यास्त के समय। इतिहास प्रेमियों के लिए जयगढ़ किला बेहतरीन जगहें हैं। वहीं थिबा पैलेस ब्रिटिश कालीन इतिहास की झलक दिखाता है। अगर आप शांत बीच पसंद करते हैं, तो मांडवी बीच आपके लिए परफेक्ट है। वहीं आरे वारे बीच अपनी खूबसूरत रोड और जुड़वां बीच के लिए मशहूर है। प्रकृति, इतिहास और शांति का अनोखा संगम देखने के लिए रत्नागिरी एक यादगार ट्रैवल डेस्टिनेशन साबित होता है।

ईद स्पेशल: घर पर बनाएं होटल जैसी परफेक्ट बिरयानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईद का त्योहार स्वादिष्ट बिरयानी के बिना अधूरा लगता है। अगर आप घर पर ही रेस्टोरेंट जैसी खुशबूदार और दानेदार बिरयानी बनाना चाहते हैं, तो कुछ आसान टिप्स अपनाने होंगे।

सबसे पहले अच्छे क्वालिटी के बासमती चावल चुनें। पकाने से पहले चावल को धोकर 20-30 मिनट भिगोना जरूरी है, इससे चावल लंबे और अलग-अलग बनते हैं। गोश्त को स्वादिष्ट बनाने के लिए उसे दही, नींबू, अदरक-लहसुन पेस्ट और मसालों के साथ कुछ घंटों तक मैरिनेट करें, इससे वह नरम और जूसी बनता है। मसालों का सही संतुलन बहुत जरूरी है। इलायची, लौंग, दालचीनी और तेजपत्ता का इस्तेमाल संतुलित मात्रा में करें ताकि स्वाद बेहतरीन बने। चावल और गोश्त को अलग-अलग पकाना भी जरूरी है-चावल को आधा पकाएं, और गोश्त को पूरी तरह तैयार करें। बिरयानी की असली खासियत उसकी परतों में होती है।

सुविचार

जो समय की कदर करता है, समय उसकी कदर करता है।

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	02:31-11:56 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	अश्विनी	02:27-12:37 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय		6:33 AM	चन्द्रोदय	7:43 AM
सूर्यास्त		6:34 PM	चंद्रास्त	9:07 PM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त	12:12PM -12:59 PM		ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	09:33 AM:11:04 AM		वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

आज के क्लस्टर बम से खतरनाक था नारायणास्त्र का प्रहार

अश्वत्थामा के नारायणास्त्र के सामने बेबस हुई पूरी सेना

यूनिक समय, मथुरा। दुनिया आज भले ही मिसाइल, ड्रोन और क्लस्टर बमों की ताकत पर गर्व कर रही हो, लेकिन हजारों साल पहले महाभारत के युद्ध में एक ऐसा दिव्यास्त्र चला था, जिसकी तुलना आज के आधुनिक हथियारों से करना भी मुश्किल है-नाम था नारायणास्त्र। इसे चलाया था अश्वत्थामा ने, अपने पिता द्रोणाचार्य की मृत्यु के बाद क्रोध में भरकर।

श्रीकृष्ण की नीति से टला था महाविनाश का संकट

कहा जाता है कि यह अस्त्र किसी क्लस्टर बम से नहीं, बल्कि उससे कई गुना ज्यादा घातक था। जैसे ही नारायणास्त्र प्रकट हुआ, आकाश से हजारों अग्निबाण, चक्र, गदाएं और लोहे के गोले बरसने लगे। यह अस्त्र इतना शक्तिशाली था कि जो भी इसका मुकाबला करता, उस पर इसका प्रहार और तेज हो जाता। यानी जितना विरोध, उतना विनाश!

पांडवों की सेना में हाहाकार मच गया। महारथी भी इसके सामने असहाय नजर आने लगे। यह कोई साधारण हथियार नहीं था, बल्कि ऐसा दिव्य अस्त्र था जो अपने लक्ष्य का संहार किए बिना शांत नहीं होता था। उस समय ऐसा लग रहा था कि अब पांडवों का अंत निश्चित है।

लेकिन यहीं कहानी में आता है सबसे रोचक मोड़। जब पूरी सेना घबराकर लड़ने लगी, तब श्रीकृष्ण ने एक ऐसा उपाय बताया, जो युद्ध के नियमों के बिल्कुल विपरीत था। उन्होंने कहा- "हथियार छोड़ दो, रथ से उतर जाओ और समर्पण कर दो।"

पहले तो यह बात किसी को समझ नहीं आई। युद्ध के मैदान में समर्पण? लेकिन जैसे ही पांडवों ने अपने अस्त्र-शस्त्र जमीन पर रख दिए और शांत भाव से खड़े हो गए, नारायणास्त्र का प्रकोप धीरे-धीरे कम होने लगा और अंततः वह शांत हो गया। यानी जिस अस्त्र को हराने का कोई उपाय नहीं था, उसे हराया नहीं गया-बल्कि "शांत" किया गया। यही नारायणास्त्र की सबसे बड़ी विशेषता थी-यह केवल आक्रमण करने वालों पर ही प्रहार करता था। जो शांत हो जाए, उसे यह नुकसान नहीं पहुंचाता था। और यही कारण है कि पांडव इस भयानक अस्त्र से बच सके।

एक और दिलचस्प तथ्य यह है कि नारायणास्त्र का प्रयोग केवल एक बार ही किया जा सकता था। दोबारा प्रयोग करने पर यह अपने ही प्रयोगकर्ता का विनाश कर देता। इसलिए अश्वत्थामा इसे फिर से नहीं चला सका। यह कहानी केवल एक दिव्य अस्त्र की नहीं, बल्कि एक गहरे संदेश की भी है-हर लड़ाई जीतने के लिए लड़ी नहीं जाती, कुछ लड़ाइयां "शांत रहकर" भी जीती जाती हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

व्रत-त्योहार का कैलेंडर 2026

- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 1 अप्रैल, दिन बुधवार: चैत्र पूर्णिमा
- 5 अप्रैल, दिन रविवार: विकट संकष्टी
- 13 अप्रैल, दिन सोमवार: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवार: बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवार: बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवार: दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवार: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवार: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवार: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवार: भौम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

कल का दिन कई राशियों के लिए सकारात्मक ऊर्जा और नए अवसर लेकर आया है।

मेष राशि वालों को स्वास्थ्य में सुधार और कामों में सफलता मिलने के संकेत हैं। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में भी फैसला उनके पक्ष में जा सकता है।

वृषभ राशि के जातकों के लिए कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग बन रहे हैं, वहीं विवाह प्रस्ताव भी आ सकता है जिससे घर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

मिथुन राशि के लोग परिवार, खासकर माता-पिता की सेवा में समय बिताएंगे और शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

कर्क राशि वालों के लिए दिन शानदार रहेगा, आमदनी में बढ़ोतरी और परिवार में शांति बनी रहेगी।

सिंह राशि के जातक अपने काम के प्रति समर्पण से सफलता की ओर बढ़ेंगे, जबकि विद्यार्थियों के लिए दिन विशेष रूप से अनुकूल है।

कन्या राशि वालों को करियर में नए अवसर मिल सकते हैं और व्यापार में लाभ होने के संकेत हैं।

तुला राशि के लिए दिन बेहतरीन रहेगा, खासकर व्यापार और पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी।

वृश्चिक राशि के लोगों को मित्रों का सहयोग मिलेगा और नए कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु राशि के जातकों के लिए दिन लाभदायक रहेगा, सामाजिक कार्यों में सम्मान मिल सकता है।

मकर राशि वालों को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन अंततः सफलता उनके कदम चूमेगी।

कुंभ राशि के लिए दिन सामान्य से बेहतर रहेगा, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मीन राशि के लोगों को नए अनुभव मिलेंगे और थोड़ी मेहनत से बड़ा लाभ मिलने की संभावना है।

सही मुहूर्त में करें कन्या पूजन, घर आएगी खुशहाली

यूनिक समय, मथुरा। चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा की उपासना के साथ कन्या पूजा का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि छोटी कन्याएं देवी का स्वरूप होती हैं, इसलिए अष्टमी और नवमी के दिन उनका पूजन किया जाता है। दुर्गा अष्टमी 26 मार्च (गुरुवार) को है, जबकि महानवमी 27 मार्च (शुक्रवार) को मनाई जाएगी। जो लोग अष्टमी के दिन कन्या पूजा करते हैं, वे 26 मार्च को पूजा करें, जबकि नवमी के अनुसार पूजा करने वाले 27 मार्च को यह विधि संपन्न कर सकते हैं। मुहूर्त की बात करें तो 26 मार्च को सुबह 6:18 बजे से 7:50 बजे तक शुभ समय रहेगा। इसके अलावा दोपहर में भी कुछ उत्तम मुहूर्त उपलब्ध हैं। वहीं 27 मार्च को सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग का संयोग बन रहा है, जो पूरे दिन को शुभ बनाता है। कन्या पूजा में 2 से 9 कन्याओं और एक बालक को आमंत्रित कर विधिपूर्वक पूजन किया जाता है। उन्हें खीर, पूड़ी, हलवा-चना आदि का प्रसाद खिलाकर दक्षिणा दी जाती है। मान्यता है कि कन्या पूजा से सुख-समृद्धि, सफलता और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

घर से निकलते ही दिखें ये चीजें तो बदल सकती है किस्मत

यूनिक समय, मथुरा। अक्सर हम घर से निकलते समय रास्ते में दिखने वाली छोटी-छोटी चीजों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन भारतीय परंपराओं और मान्यताओं के अनुसार ये संकेत हमारे दिन और भविष्य के बारे में खास इशारे दे सकते हैं। बुजुर्गों का मानना है कि ये केवल अंधविश्वास नहीं, बल्कि वर्षों के अनुभवों पर आधारित संकेत हैं, जिन्हें समझने की जरूरत है।

घर से बाहर निकलते समय कुछ दृश्य शुभ माने जाते हैं। जैसे अगर रास्ते में गाय दिखाई दे, खासकर वह अपने बछड़े को दूध पिला रही हो, तो इसे बहुत अच्छा संकेत माना जाता है। यह आर्थिक लाभ और कार्य में सफलता का इशारा करता है। इसी तरह कुंवारी कन्या का दिखना नई शुरुआत और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। वहीं शंख की आवाज सुनना या शंख देखना भी शुभता और सफलता का संकेत देता है।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, यदि घर से निकलते समय गर्भवती महिला दिख जाए, तो यह बेहद शुभ माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपका कार्य बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक पूरा होगा और अच्छे परिणाम मिलेंगे।

पक्षी और जानवर भी कई बार हमारे लिए संकेत लेकर आते हैं। यदि पेड़ पर बैठा सारस दिखाई दे और वह आवाज करे, तो इसे मनोकामना पूरी होने का संकेत माना जाता है। वहीं सूखे पेड़ पर बाईं ओर बैठा तोता बोलता हुआ दिखे, तो यह बड़े लाभ का संकेत देता है। मोर का दिखना या उसकी आवाज सुनना भी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि मोर की आवाज एक बार सुनाई दे तो लाभ, दो बार हो तो सुख और तीन बार हो तो धन प्राप्ति का संकेत देती है।

इसके अलावा नीलगाय, नेवला या अन्य वन्य जीवों का अचानक दिखना भी अच्छे अवसर मिलने का संकेत माना जाता है। दिशा का भी विशेष महत्व होता है। यदि दाईं ओर गधा आवाज करता हुआ दिखे, तो मनचाहा काम पूरा होने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं मुर्गे का दाईं ओर बोलना दिन को शुभ बना सकता है। इसी प्रकार कबूतर का बाईं ओर दिखना और नीलकंठ पक्षी का दर्शन होना कार्य सिद्धि और सफलता का संकेत माना जाता है।

इन संकेतों को जीवन में सकारात्मक दृष्टि से देखने की आवश्यकता है। यह न केवल हमारे मन में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, बल्कि दिन की शुरुआत को भी सकारात्मक बनाते हैं। इसलिए अगली बार घर से निकलें, तो इन छोटे-छोटे संकेतों पर जरूर ध्यान दें- क्योंकि कभी-कभी किस्मत बड़े बदलाव छोटे इशारों से ही करती है।

सम्पादकीय

वीआईपी दौरे में शहर बना ट्रैफिक का म्यूजियम

शहर में जैसे ही किसी वीआईपी के आने की खबर फैलती है, प्रशासन की रफ्तार अचानक "बुलेट ट्रेन" हो जाती है–लेकिन आम जनता के लिए सड़कों पर "बैलगाड़ी" जैसी स्थिति बन जाती है। जिस शहर में गड्ढे महीनों तक अपनी पहचान बनाए रखते हैं, वहीं वीआईपी दौरे से ठीक पहले रातों–रात सड़कें चमक उठती हैं। ऐसा लगता है मानो शहर नहीं, कोई फिल्म का सेट तैयार किया जा रहा हो–जहां सब कुछ "रियल" कम और "दिखावटी" ज्यादा होता है। वीआईपी का काफिला गुजरने से पहले ट्रैफिक को इस तरह रोका जाता है, जैसे आम जनता कोई "खतरा" हो। लोग घंटों जाम में फंसे रहते हैं, एम्बुलेंस सायरन बजाती रह जाती है, लेकिन व्यवस्था इतनी सख्त होती है कि एक पत्ता भी बिना अनुमति नहीं हिल सकता। उस समय लगता है कि शहर दो हिस्सों में बंट गया है–एक वीआईपी के लिए, दूसरा "बाकी सब" के लिए।

पवन गौतम
संपादक

मजेदार बात यह है कि जिन रास्तों पर रोज़ाना सफाई की जरूरत होती है, वहां अचानक झाड़ू ऐसे चलती है जैसे स्वच्छता अभियान की आत्मा उसी दिन जागी हो। दीवारों पर ताजा पेंट, टूटी रेलिंग की मरम्मत, और हर मोड़ पर पुलिस की तैनाती–यह सब देखकर आम आदमी के मन में एक ही सवाल उठता है, "क्या वीआईपी रोज़ नहीं आ सकते?" स्कूल जाने वाले बच्चे, ऑफिस के कर्मचारी, मरीज–सबकी दिनचर्या एक वीआईपी दौरे के कारण अस्त–व्यस्त हो जाती है। लेकिन प्रशासन के पास इसका एक ही जवाब होता है–"सुरक्षा जरूरी है।" सवाल यह है कि क्या आम नागरिक की सुविधा और समय की कोई कीमत नहीं?

यह पूरा तंत्र कहीं न कहीं हमारी व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करता है। जहां आम दिनों में समस्याएं नजरअंदाज होती हैं, वहीं वीआईपी के आने पर वही समस्याएं अचानक "आपातकालीन" बन जाती हैं। यह दिखाता है कि हमारे सिस्टम में सुधार की जरूरत है–सिर्फ दिखावे के लिए नहीं, बल्कि स्थायी रूप से।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

व्यंग्य यही है कि शहर को व्यवस्थित करने के लिए किसी वीआईपी के आने का इंतजार क्यों? क्या आम नागरिक की उपस्थिति इतनी महत्वपूर्ण नहीं कि उसके लिए भी सड़कें दुरुस्त हों, ट्रैफिक सुचारू चले और सफाई बनी रहे? शायद अब समय आ गया है कि व्यवस्था "वीआईपी केंद्रित" से "जनता केंद्रित" बने। क्योंकि शहर केवल वीआईपी के दौरे से नहीं, बल्कि आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से चलता है। और जब तक यह समझ नहीं आएगी, तब तक हर वीआईपी दौरा शहर के लिए "व्यवस्था सुधार" नहीं, बल्कि "अव्यवस्था का उत्सव" ही बना रहेगा।

नजरिया

सोशल मीडिया के जाल में रिश्ते हुए पूरी तरह बेहाल

राम प्रकाश अग्रवाल

सोशल मीडिया क्या वाकई लोगों को जोड़ रहा है या फिर यह एक ऐसा मायाजाल बन चुका है जो रिश्तों को धीरे–धीरे कमजोर कर रहा है–आज के समय का यह बड़ा सवाल बन गया है। तेजी से बदलती जीवनशैली, बढ़ता डिजिटल प्रभाव और आभासी दुनिया में बढ़ती सक्रियता ने सामाजिक संरचना पर गहरा असर डाला है। परिवारों में संवाद घट रहा है और स्क्रीन टाइम लगातार बढ़ रहा है, जिससे सामाजिक रिश्तों में दूरी साफ नजर आने लगी है। विशेषज्ञों का मानना है कि आज का व्यक्ति वास्तविक जीवन से अधिक आभासी दुनिया में सक्रिय है। घरों में लोग साथ बैठते जरूर हैं, लेकिन बातचीत के बजाय हर कोई अपने–अपने मोबाइल में व्यस्त रहता है। यह स्थिति केवल शहरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से फैल रही है। सोशल मीडिया ने जहां एक ओर सूचनाओं का दायरा बढ़ाया है, वहीं दूसरी ओर इसने मानवीय संबंधों में ठंडापन भी ला दिया है।

युवाओं पर इसका प्रभाव सबसे अधिक देखा जा रहा है। कम उम्र में ही बच्चे और किशोर सोशल मीडिया के प्रति अत्यधिक आकर्षित हो रहे हैं। वे रील्स, वीडियो और ऑनलाइन ट्रेंड्स को ही अपनी दुनिया मान बैठे हैं। इसका सीधा असर उनकी पढ़ाई, एकाग्रता और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। पढ़ाई के समय भी नोटिफिकेशन चेक करने की आदत ने ध्यान भंग करना आम बना दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रवृत्ति लंबे समय में गंभीर परिणाम दे सकती है। इसी बढ़ती चिंता को देखते हुए कुछ राज्यों और देशों ने कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। कर्नाटक और आंध्रप्रदेश में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में भी इसी तरह का नियम लागू किया गया है। वहीं स्पेन, ब्रिटेन और यूनान जैसे देश भी इस दिशा में कानून बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इन कदमों को बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सोशल मीडिया पर लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स की संख्या ने लोगों के व्यवहार को प्रभावित किया है। व्यक्ति अब हर काम में दूसरों की स्वीकृति चाहता है। यदि किसी पोस्ट पर अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो वह निराशा और असंतोष का शिकार हो सकता है। यह स्थिति आत्मविश्वास को कमजोर करती है और व्यक्ति को आभासी मानकों के आधार पर खुद

को आंकने की आदत डाल देती है।

एक शोध के अनुसार, भारत में युवा प्रतिदिन औसतन साढ़े सात घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिताते हैं। सुबह उठते ही मोबाइल देखने की आदत तेजी से बढ़ी है। आंकड़े बताते हैं कि बड़ी संख्या में लोग दिन की शुरुआत मोबाइल से करते हैं और दिनभर में कई बार फोन अनलॉक करते हैं। यह आदत न केवल समय की बर्बादी का कारण बन रही है, बल्कि मानसिक थकान और तनाव भी बढ़ा रही है। सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग का एक और नकारात्मक पहलू है–पढ़ने की आदत का खत्म होना। पहले लोग किताबें, अखबार और पत्रिकाएं पढ़कर ज्ञान अर्जित करते थे, लेकिन अब यह प्रवृत्ति कम होती जा रही है। छोटे–छोटे वीडियो और त्वरित मनोरंजन के कारण गहराई से सोचने और समझने की क्षमता प्रभावित हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित अध्ययन न करने से व्यक्ति की विश्लेषण क्षमता कमजोर हो सकती है। परिवारों में भी इसका असर स्पष्ट दिख रहा है। माता–पिता और बच्चों के बीच संवाद कम हो गया है। पहले जहां परिवार के सदस्य एक साथ बैठकर समय बिताते थे, अब वह समय मोबाइल और सोशल मीडिया ने ले लिया है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर हो रहा है। कई मामलों में यह दूरी पारिवारिक विवादों और तनाव का कारण भी बन रही है। सोशल मीडिया ने दिखावे की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा दिया है। लोग अपनी वास्तविक स्थिति के विपरीत एक परफेक्ट छवि प्रस्तुत करने की कोशिश करते हैं। परिवार में समस्याएं होने के बावजूद खुशहाल तस्वीरें पोस्ट की जाती हैं। इससे न केवल दूसरों के सामने एक झूठी छवि बनती है, बल्कि व्यक्ति खुद भी उस आभासी दुनिया में जीने लगता है। यह स्थिति मानसिक असंतुलन और असंतोष को जन्म दे सकती है। युवाओं के दाम्पत्य जीवन पर भी इसका प्रभाव देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर अत्यधिक समय बिताने से आपसी संवाद घटता है और गलतफहमियां बढ़ सकती हैं। ओवर कम्युनिकेशन और हर बात को सार्वजनिक करने की प्रवृत्ति निजी जीवन की गोपनीयता को भी प्रभावित कर रही है। इससे रिश्तों में तनाव बढ़ने की संभावना रहती है। हालांकि, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि सोशल मीडिया पूरी तरह से नकारात्मक नहीं है। यह एक शक्तिशाली माध्यम है, जिसके जरिए जानकारी, शिक्षा और संवाद को बढ़ावा दिया जा सकता है। लेकिन इसका उपयोग संतुलित और नियंत्रित तरीके से होना चाहिए। सही दिशा में इस्तेमाल करने पर यह लाभकारी साबित हो सकता है, जबकि अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग नुकसानदेह हो सकता है। इस संदर्भ में माता–पिता की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चों को सही दिशा देने के लिए जरूरी है कि वे खुद भी डिजिटल अनुशासन का पालन करें। यदि माता–पिता स्वयं अधिक समय मोबाइल पर बिताएंगे, तो बच्चों से संयम की अपेक्षा करना मुश्किल होगा। इसलिए घर में एक सकारात्मक माहौल बनाना आवश्यक है, जहां पढ़ाई, संवाद और रचनात्मक गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाए। विशेषज्ञों का सुझाव है कि बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम सीमित किया जाए और उन्हें किताबें पढ़ने, खेलकूद और अन्य रचनात्मक कार्यों के लिए प्रोत्साहित किया जाए। घर में "नो मोबाइल टाइम" जैसी पहल भी कारगर साबित हो सकती है, जिसमें परिवार के सभी सदस्य एक निश्चित समय तक मोबाइल से दूर रहकर आपस में संवाद करें। सरकार और समाज दोनों को मिलकर इस दिशा में प्रयास करने होंगे। जहां एक ओर कानून बनाकर कुछ सीमाएं तय की जा सकती हैं, वहीं दूसरी ओर जागरूकता फैलाकर लोगों को इसके दुष्प्रभावों के बारे में समझाना भी जरूरी है। स्कूलों और कॉलेजों में भी डिजिटल साक्षरता और संतुलित उपयोग के बारे में शिक्षा दी जानी चाहिए। अंततः, यह समझना जरूरी है कि सोशल मीडिया एक साधन है, न कि जीवन का केंद्र। इसे सही तरीके से उपयोग करना ही सबसे बड़ा समाधान है। पूर्ण प्रतिबंध शायद व्यावहारिक नहीं है, लेकिन उम्र के अनुसार सीमाएं तय करना और समय का नियंत्रण आवश्यक है।

समाज को यह तय करना होगा कि वह आभासी दुनिया में खोना चाहता है या वास्तविक रिश्तों को मजबूत बनाना चाहता है। यदि समय रहते संतुलन नहीं बनाया गया, तो सोशल मीडिया का यह मायाजाल आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

विचार विण्डो

परंपरा, आत्ममंथन और नवचेतना का पर्व है नवरात्र

बोध प्रकाश सगुणी

चैत्र नवरात्र केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय जीवन–दर्शन, प्रकृति और आत्मचिंतन का अद्भुत संगम है। यह वह समय है जब एक ओर प्रकृति नवजीवन के साथ मुस्कुराती है, तो दूसरी ओर मनुष्य को भी अपने भीतर नई ऊर्जा, नए संकल्प और नई दिशा खोजने का अवसर मिलता है। चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से आरंभ होने वाला यह पर्व भारतीय नववर्ष यानी नवसंवत्सर की शुरुआत का प्रतीक है, जो हमें अपनी जड़ों की ओर लौटने और जीवन के मूल अर्थ को समझने की प्रेरणा देता है।

भारतीय कालगणना का आधार केवल तिथियों का निर्धारण नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ गहरा संबंध है। जब चैत्र मास में पेड़ों पर नई कोंपलें फूटती हैं, खेतों में हरियाली लहराती है और वातावरण में परिवर्तन आता है, तब नववर्ष का आरंभ होता है। यह संकेत देता है कि जैसे प्रकृति स्वयं को नवीनीकृत करती है, वैसे ही मनुष्य को भी अपने जीवन में नवीनता और सकारात्मकता का संचार करना चाहिए। यह वैज्ञानिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण भारतीय परंपराओं की गहराई को दर्शाता है।

नवरात्र का पर्व इस नवसंवत्सर को आध्यात्मिक शक्ति से जोड़ता है। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना की जाती है, जो जीवन के विभिन्न मूल्यों–शक्ति, ज्ञान, धैर्य और करुणा–का प्रतीक हैं। यह केवल पूजा–अर्चना का समय नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और आत्मसंयम का अभ्यास भी है। उपवास, ध्यान और संयम के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर की नकारात्मकता को दूर कर सकारात्मक ऊर्जा को आत्मसात करता है।

आज के समय में, जब जीवन भागदौड़ और तनाव से भरा हुआ है, नवरात्र जैसे पर्व मानसिक संतुलन और आत्मिक शांति प्रदान करते हैं। यह पर्व हमें रुककर सोचने का अवसर देता है–क्या हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं? क्या हमारे लक्ष्य केवल भौतिक सफलता तक सीमित हैं या हम मानसिक और आध्यात्मिक विकास की ओर भी ध्यान दे रहे हैं? यह आत्ममंथन ही नवरात्र का वास्तविक सार है।

हालांकि, आधुनिकता की तेज दौड़ में हम अपनी परंपराओं से धीरे–धीरे दूर होते जा रहे हैं। पश्चिमी संस्कृति और कैलेंडर का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि भारतीय नववर्ष का महत्व कम होता नजर आ रहा है। लोग 1 जनवरी को तो उत्साह के साथ मनाते हैं, लेकिन चैत्र नवसंवत्सर को अक्सर अनदेखा कर देते हैं। यह प्रवृत्ति हमारी सांस्कृतिक पहचान के लिए चिंता का विषय है। नवरात्र हमें इस भूल को सुधारने और अपनी जड़ों की ओर लौटने का अवसर प्रदान करता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि समय के साथ इन पर्वों का स्वरूप बदलता जा रहा है। आस्था की जगह आडंबर और दिखावे ने ले ली है। पूजा–पाठ का मूल उद्देश्य कहीं पीछे छूटता जा रहा है और बाहरी प्रदर्शन प्रमुख हो गया है। सोशल मीडिया पर भक्ति का प्रदर्शन बढ़ा है, लेकिन वास्तविक आत्मचिंतन और साधना कम हो गई है। ऐसे में आवश्यकता है कि हम इन पर्वों के वास्तविक अर्थ को समझें और उन्हें केवल रस्मों तक सीमित न रखें। नवरात्र का संदेश केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पर्व अनुशासन, संयम और संतुलन सिखाता है। उपवास केवल भोजन का त्याग नहीं, बल्कि इंद्रियों पर नियंत्रण और आत्मनियंत्रण का अभ्यास है। यह हमें यह सिखाता है कि इच्छाओं पर नियंत्रण रखकर भी जीवन को संतुलित और सुखी बनाया जा सकता है। परिवार और समाज के स्तर पर भी नवरात्र का विशेष महत्व है। यह पर्व लोगों को एक साथ लाता है, सामूहिक पूजा और उत्सव के माध्यम से सामाजिक एकता को मजबूत करता है। आज जब रिश्तों में दूरी बढ़ रही है, ऐसे पर्व हमें एक–दूसरे के करीब आने का अवसर देते हैं। नवसंवत्सर के साथ नवरात्र हमें नए संकल्प लेने की प्रेरणा भी देता है। यह समय है अपने पुराने अनुभवों से सीख लेने और भविष्य के लिए नई दिशा तय करने का। यदि हम इन नौ दिनों को आत्मशुद्धि, सकारात्मक सोच और संयम के साथ जीते हैं, तो इसका प्रभाव पूरे वर्ष हमारे जीवन पर पड़ता है।

आज की युवा पीढ़ी के लिए भी नवरात्र का संदेश अत्यंत प्रासंगिक है। तकनीक और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। नवरात्र हमें यह सिखाता है कि भौतिक प्रगति के साथ–साथ आध्यात्मिक विकास भी जरूरी है। केवल बाहरी सफलता ही जीवन का उद्देश्य नहीं हो सकती, बल्कि आंतरिक संतुलन और संतोष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अंततः, नवरात्र हमें यह समझाता है कि जीवन केवल भौतिक उपलब्धियों की दौड़ नहीं है, बल्कि यह आत्मिक विकास की यात्रा भी है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों से जोड़ता है। यदि हम इसके वास्तविक संदेश को समझकर अपने जीवन में उतारें, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन समृद्ध होगा, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

इस नवरात्र, आवश्यकता है कि हम केवल पूजा–अर्चना तक सीमित न रहें, बल्कि आत्ममंथन करें, अपने जीवन की दिशा पर विचार करें और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ें। यही इस पर्व की सच्ची सार्थकता है–अपनी जड़ों से जुड़कर, नई ऊर्जा और नई चेतना के साथ जीवन को आगे बढ़ाना।

दिल्ली कैपिटल्स को लगा बड़ा झटका

मिचेल स्टार्क शुरुआती मुकाबलों से रहेंगे बाहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू होने वाला है, लेकिन इसके पहले ही कई बड़े खिलाड़ियों की अनुपलब्धता ने टीमों की तैयारियों में असर डाला है। दिल्ली कैपिटल्स को इस बार बड़ा झटका तब लगा जब उनके प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क शुरुआती कुछ मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्पष्ट किया है कि 36 वर्षीय स्टार्क को किसी भी तरह का जोखिम नहीं उठाना है। पिछले एक साल में उन्होंने लगातार अंतराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है और आने वाले एक साल में भी उनकी व्यस्तता है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम मैनेजमेंट ने स्टार्क को शुरुआती आईपीएल मैचों से आराम देने का निर्णय लिया है। आईपीएल 2025 में स्टार्क ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था, 10 पारियों में उन्होंने 14 विकेट लिए थे। दिल्ली कैपिटल्स के पास स्टार्क के अलावा अन्य तेज गेंदबाज जैसे टी. नटराजन, काइल जेमीसन, आकिब नबी डार और दुष्मांता चमीरा मौजूद हैं, जो उनकी अनुपस्थिति में टीम को संभालने की जिम्मेदारी संभालेंगे। टीम मैनेजमेंट को अब शुरुआती मुकाबलों के लिए इन विकल्पों के प्रदर्शन पर निर्भर रहना होगा। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट ने पैट कमिंस और जोश हेजलवुड के बारे में भी जानकारी दी है। दोनों खिलाड़ी भी शुरुआती कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। उनकी वापसी अगले कुछ हफ्तों में खेल में प्रोटोकॉल के अनुसार होगी। तीनों खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में उनकी आईपीएल टीमों को शुरुआती मैचों के लिए रणनीति बदलनी होगी और दूसरे प्रमुख गेंदबाजों पर काफी दबाव रहेगा। इस स्थिति को देखते हुए टीमों को शुरुआती मुकाबलों में संतुलित गेंदबाजी और रणनीतिक बदलाव के साथ मैदान पर उतरना होगा। स्टार्क, कमिंस और हेजलवुड की वापसी से बाद के मैचों में टीमों को मजबूती मिलने की संभावना है, लेकिन शुरुआती दौर में उनकी कमी स्पष्ट चुनौती साबित होगी।

इंडियन ओपन स्क्वाश में भारतीय खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन ओपन स्क्वाश 2026 में भारत की युवा स्टार अनाहत सिंह ने अपनी बेहतरीन खेल क्षमता का प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के एकल मुकाबले में मिस्र की फरीदा वालिद को सीधे गेम में 3-0 से हराया। शीर्ष वरीय खिलाड़ी के रूप में अनाहत ने टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा और दर्शकों को रोमांचित कर दिया। उनकी यह जीत भारतीय स्क्वाश के लिए गर्व का क्षण रही, जिससे यह साफ हो गया कि युवा प्रतिभाएं अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ रही हैं।

पुरुष वर्ग में मिस्र के इब्राहिम एल्काबानी ने सबसे बड़े उलटफेरों में से एक किया। उन्होंने पुरुषों के शीर्ष वरीय याह्या एल्नवासनी को 66 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 3-2 से हराकर टूर्नामेंट में एक रोमांचक मोड़ लाया। इसके अलावा, मोहम्मद शरफ ने पांच-गेम के मुकाबले में हांगकांग के ची हिम वोंग को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

भारतीय खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। अभय सिंह ने हांगकांग के मैथ्यू लाई को 3-0 से हराया, जबकि तन्वी खन्ना ने मिस्र की नूर खफागी को सीधे गेम में मात दी। वीर चोटरानी ने शुरुआत में ही अपना दबदबा दिखाया, लेकिन ओम्लोर के बीच में रिटायर होने के कारण मुकाबला पूरा नहीं हो सका। अनुभवी जोशना चिनप्पा ने चार गेम तक चले कड़े मुकाबले में ब्रिएन फिलन को आसानी से हराया। वेलावन सेंथिलकुमार ने कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन उन्हें अमीशेनराज चंद्रन से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह इंडियन ओपन स्क्वाश 2026 में अनाहत सिंह और अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनकी जीत और प्रदर्शन दर्शाते हैं कि भारतीय स्क्वाश में युवा प्रतिभाएं लगातार शीर्ष स्तर पर अपनी जगह बना रही हैं और आने वाले टूर्नामेंटों में भारतीय खिलाड़ियों से और भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है।

ईरान ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अमेरिका जाने से किया इनकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते राजनीतिक तनाव का असर एफआईएफए वर्ल्ड कप 2026 पर पड़ रहा है। ईरान ने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की हामी भरी है, लेकिन अमेरिका में अपने ग्रुप मैच खेलने से इनकार कर दिया है। इसके लिए ईरान ने अपने मैचों को मेक्सिको में स्थानांतरित करने की मांग की है, जिस पर मेक्सिको ने सकारात्मक संकेत दिए हैं, लेकिन अंतिम निर्णय फीफा को लेना है।

ईरान की राष्ट्रीय टीम फिलहाल तुर्की में प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर रही है और नाइजीरिया तथा कोस्टा रिका के खिलाफ अभ्यास मैच खेल रही है। ये मुकाबले पहले जॉर्डन में होने थे, लेकिन क्षेत्रीय हालात को देखते हुए स्थान बदला गया। ईरान फुटबॉल महासंघ ने सभी ग्रुप मैचों को अमेरिका में कराने के बजाय मेक्सिको में कराने का अनुरोध किया है। इस मुद्दे के पीछे अमेरिकी सुरक्षा चिंताओं को भी वजह माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुरुआत में खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी, हालांकि बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि खिलाड़ियों के प्रवेश पर कोई रोक नहीं होगी। फीफा ने फिलहाल किसी भी बदलाव से इनकार किया है और सभी मैच तय कार्यक्रम के अनुसार ही होने का निर्णय लिया है।

लियोनेल मेसी का ऐतिहासिक 900वां गोल लेकिन इंटर मियामी टूर्नामेंट से बाहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी ने अपने करियर का ऐतिहासिक 900वां गोल दागा, लेकिन यह उपलब्धि उनकी टीम इंटर मियामी को टूर्नामेंट से बाहर होने से नहीं बचा सकी। प्री– क्वार्टर मुकाबले में इंटर मियामी ने 1-1 की बराबरी की, लेकिन अवे गोल नियम के आधार पर विरोधी टीम अगले दौर में पहुंच गई।

मैच के सातवें मिनट में मेसी ने गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई और व्यक्तिगत रूप से 900 गोल का कीर्तिमान स्थापित किया। हालांकि मैच के दूसरे हाफ में क्रिस्टियन एस्पिनोजा ने 74वें मिनट में बराबरी का गोल कर मुकाबले को 1-1 पर समाप्त किया। यह मुकाबला इंटर मियामी के घरेलू मैदान पर टीम का आखिरी मैच भी था, क्योंकि अगले महीने टीम नए स्टेडियम में शिफ्ट होने वाली है। मेसी का करियर शानदार रहा है।

एथलेटिक्स में भारत की नई उड़ान : भुवनेश्वर में होगी चैंपियनशिप 2028

भारत करेगा विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत को 2028 में विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी का अधिकार मिला है। यह ऐतिहासिक घोषणा पोलैंड में विश्व एथलेटिक्स परिषद की बैठक में की गई, जहां भारतीय दावेदारी को मंजूरी दी गई। यह आयोजन भुवनेश्वर में होगा और देश में ट्रैक एंड फील्ड खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने पोलैंड से पीटीआई को बताया कि भारत को साल 2028 के लिए विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी दी गई है। यह फैसला पोलैंड के तोरून में 2025 विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के ठीक एक दिन पहले लिया गया। भारत की दावेदारी में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इस साल की शुरुआत में हिस्सा लिया था। जनवरी में विश्व एथलेटिक्स की दो सदस्यीय टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम परिसर में बनी अत्याधुनिक इंडोर सुविधा का दौरा किया था। एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि यह घटनाक्रम अंतराष्ट्रीय मंच पर भारतीय एथलेटिक्स के बढ़ते कद का संकेत है। उन्होंने बताया कि नीरज चोपड़ा जैसी प्रतिभाओं ने भारतीय ट्रैक एंड फील्ड को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई है और इस टूर्नामेंट की मेजबानी इसे और मजबूत करेगी। विश्व इंडोर चैंपियनशिप हर दो साल में आयोजित होती है और इसमें आम तौर पर 26 स्पर्धाएं होती हैं, जिनमें पुरुषों और महिलाओं के लिए 13-13 स्पर्धाएं शामिल हैं। इस बार पोलैंड के प्रस्तावित आयोजन में पहली बार 4X400 मीटर मिश्रित रिले स्पर्धा भी कराई जाएगी। इससे पहले न्यूजीलैंड ने भी 2028 की मेजबानी में दिलचस्पी दिखाई थी। भुवनेश्वर में होने वाली यह प्रतियोगिता भारतीय एथलेटिक्स के लिए वैश्विक मंच पर अपनी पकड़ मजबूत करने का अवसर होगी। देश में युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी और ट्रैक एंड फील्ड के स्तर को नई उंचाइयों तक ले जाने का मौका मिलेगा।

मिर्जापुर फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान, फैन्स के लिए खुशखबरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्राइम वीडियो की लोकप्रिय सीरीज मिर्जापुर अब फिल्म के रूप में दर्शकों के सामने आने जा रही है। मेकर्स ने पुष्टि की है कि मिर्जापुर फिल्म चार सितंबर 2026 को रिलीज होगी। हाल ही में जारी किए गए नए पोस्टर ने फिल्म की झलक दिखाते हुए फैन्स में उत्साह बढ़ा दिया है।

पोस्टर में मिर्जापुर की अराजकता को रेगिस्तानी परिदृश्य में नए सिरे से प्रस्तुत किया गया है। जीपों का काफिला रेत के टीलों पर दौड़ता हुआ, धूल उड़ाता हुआ और वाहन के पीछे शव को घसीटते हुए दिखाई दे रहा है। ये दृश्य फ्रेंचाइज की पहचान बन चुकी क्रूरता को और पुख्ता करते हैं। धधकते आसमान और हिंसक दृश्यों से फिल्म का उद्देश्य एक भव्य और सिनेमाई अनुभव देना है। मुख्य शूटिंग फरवरी 2026 में पूरी हो गई थी, जिसकी पुष्टि श्वेता त्रिपाठी और अली फजल ने की थी।

फिल्म में दिव्येंदु मुन्ना भैया के रूप में वापसी कर रहे हैं, जबकि पंकज त्रिपाठी अखंडानंद "कलीन" त्रिपाठी, अली फजल गुड्डू पंडित, श्वेता त्रिपाठी गोलू गुप्ता और अभिषेक बनर्जी सुबोध के रूप में लौट रहे हैं। साथ ही, जितेंद्र कुमार और सोनल चौहान को भी मिर्जापुर की दुनिया में पेश किया जाएगा। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और निर्माण फरहान अख्तर व रितेश सिधवानी ने एक्सेल एंटरटेनमेंट बैनर के तहत किया है। फैंस को अब 4 सितंबर 2026 का इंतजार है, जब मिर्जापुर की अराजकता और क्रूरता बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी।

अनन्या पांडे लौट रही हैं 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत अभिनेत्री अनन्या पांडे अपनी सुपरहिट वेब सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे पार्ट में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में मुंबई में प्राइम वीडियो द्वारा आयोजित कार्यक्रम में इसकी आधिकारिक घोषणा की गई। अनन्या इस सीजन में बेला बे चौधरी के किरदार में वापसी कर रही हैं, और दर्शकों को उनके नए सफर का अनुभव मिलेगा। नए सीजन में बेला का अपना न्यूज शो प्रसारित होना शुरू होगा, जिससे उन्हें प्रसिद्धि मिलेगी, लेकिन साथ ही उनके निजी और पेशेवर जीवन में नई चुनौतियां भी सामने आएंगी।

कहानी में नए ट्विस्ट भी शामिल हैं। दूसरे सीजन में बेला का जीवन तब जटिल हो जाता है जब उनके पूर्व पति की वापसी होती है और वह अपने आकर्षक बॉस की ओर आकर्षित होने लगती हैं। इस बीच उन्हें अपनी भावनाओं और बढ़ते करियर के बीच संतुलन बनाने में मुश्किल होती है। उनके करीबी दोस्तों के समूह को भी नए सीजन में संघर्ष का सामना करना पड़ेगा, जिसमें एक नई बहन के आने से तनाव पैदा हो जाता है।

अनन्या के अलावा पहले सीजन के कई कलाकार लौट रहे हैं, जिनमें वीर दास, श्रुति हासन, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त और लीसा मिश्रा शामिल हैं। अभिनेत्री मिनी माथुर भी नए सीजन में शामिल होंगी। शो का निर्माण करण जौहर, आदर पूनावाला और अपूर्वा मेहता ने किया है, जबकि निर्देशन कॉलिन डी'कुन्हा करेंगे। पटकथा इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर और रोहित नायर ने लिखी है। पहले सीजन में अनन्या की दमदार परफॉर्मेंस ने दर्शकों का दिल जीता था और नए सीजन में उनके किरदार से और भी रोमांच और ड्रामा देखने को मिलेगा।

नोरा फतेही के गाने 'सरके चुनर' पर लगा प्रतिबंध

यूनिक समय, नई दिल्ली। कन्नड़ फिल्म केडी - द डेविल का गाना 'सरके चुनर' (कन्नड़ में 'सरसे निन्ना') विवादों में फंस गया। अश्लीलता और अभद्र भाषा के आरोपों के बीच, अलीगढ़ के मुफ्ती ने नोरा फतेही के खिलाफ फतवा जारी किया, वहीं केंद्र सरकार ने गाने पर प्रतिबंध लगा दिया। मुफ्ती मौलाना इब्राहिम हुसैन ने कहा कि गाने में अश्लील दृश्य और भाषा इस्लामी शिक्षाओं के अनुसार आपत्तिजनक हैं। गाने की रिलीज 14 मार्च 2026 को हुई थी और इसमें संजय दत्त भी नजर आए। विशेषकर 'हुक स्टेप' और गाने के बोल विवाद का केंद्र बने। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सीबीएफसी से मामले की जांच कराई और कर्नाटक महिला आयोग ने इसे महिलाओं के प्रति अपमानजनक बताया।

यूपी में मौसम का कहर: 25 जिलों में बारिश, लखनऊ-अयोध्या में पड़े ओले

आंधी से जनजीवन प्रभावित हुआ

बिजली गिरने से पांच लोगों की मौत

किसानों की फसल को भारी नुकसान

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली, जिससे पूरे प्रदेश में जनजीवन प्रभावित हो गया। राजधानी लखनऊ अयोध्या, बाराबंकी, सीतापुर और सिद्धार्थनगर समेत कई जिलों में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। सुबह के समय अचानक अंधेरा छा गया और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

लखनऊ के कई इलाकों जैसे गोमतीनगर, चिनहट, सरोजनीनगर और मोहनलालगंज में तेज बारिश और अंधेरे जैसे हालात बन गए। वहीं प्रयागराज और मथुरा में धूलभरी आंधी के साथ तेज बारिश दर्ज की गई। नोएडा, आगरा, अलीगढ़, मेरठ सहित 25 से अधिक जिलों में रुक-रुक कर बारिश होती रही। काशी में आंधी और बूंदाबांदी के कारण घाटों पर दुकानदारों को अपना सामान समेटना पड़ा।

इस मौसम बदलाव के दौरान कई जिलों में बिजली गिरने की घटनाएं भी सामने आईं। प्रयागराज, बलरामपुर, बहराइच और मिर्जापुर में आकाशीय बिजली गिरने से तीन किसानों समेत कुल पांच लोगों की मौत हो गई, जिससे ग्रामीण इलाकों में शोक की लहर दौड़ गई है। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर गेहूं की खड़ी फसल गिर गई, जबकि सरसों और आलू जैसी फसलों को भी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। किसानों ने बेमौसम बारिश को लेकर चिंता व्यक्त की है। मौसम विभाग के अनुसार, अफगानिस्तान के पास सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण यह बदलाव हुआ है। अगले दो दिनों तक प्रदेश में मौसम खराब रहने की संभावना है। इस दौरान 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और तापमान में 5 से 7 डिग्री तक गिरावट दर्ज की जा सकती है।

एक ही परिवार के तीन लोगों ने खाया जहरीला पदार्थ

मां-बेटे की मौत, पिता गंभीर

यूनिक समय, लखनऊ। सरोजनीनगर क्षेत्र के बंथरा इलाके में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने कथित रूप से जहरीला पदार्थ खा लिया। इस घटना में मां और बेटे की मौत हो गई, जबकि पिता की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार, बंथरा थाना क्षेत्र के नींव गांव निवासी रूप नारायण (55), उनकी पत्नी तारावती (52) और बेटा संदीप (30) तथा छोटा बेटा कुलदीप (25) एक साथ रहते थे और परिवार का भरण-पोषण चाय-समोसा की दुकान और पान की दुकान चलाकर करते थे। परिवार सामान्य जीवन जी रहा था, लेकिन अचानक हुई इस घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया।

बताया जा रहा है कि बृहस्पतिवार रात रूप नारायण और उनका बेटा संदीप दुकान से घर लौटे थे। वहीं छोटा बेटा कुलदीप खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया। देर रात या तड़के सुबह अचानक घर में अफरा-तफरी मच गई। सुबह करीब 4 बजे रूप नारायण की हालत बिगड़ने पर वह जोर-जोर से चिल्लाने लगे और उल्टियां करने लगे। आवाज सुनकर कुलदीप जब कमरे से बाहर आया तो उसने देखा कि उसकी मां तारावती और भाई संदीप की मौत हो चुकी थी। वहीं पिता की हालत गंभीर थी। तत्काल उन्हें प्रसाद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

घटनास्थल से मिले सुसाइड नोट में लिखा था कि परिवार ने यह कदम स्वेच्छा से उठाया है और इसके लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

थाना प्रभारी राणा राजेश सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना से पूरे इलाके में शोक और सन्नाटा फैल गया है।

भाजपा सांसद के चरणों में लेटे महानगर मंत्री

भाजपा महानगर कार्यकारिणी में नियुक्ति के बाद भावुक हुआ कार्यकर्ता वायरल हुआ वीडियो

यूनिक समय, आगरा। ताजनगरी में 17 मार्च को घोषित भाजपा महानगर कार्यकारिणी के बाद एक भावुक दृश्य सामने आया, जिसने राजनीतिक हलकों में चर्चा छेड़ दी है। नवनियुक्त महानगर मंत्री अनिल सारस्वत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह राज्यसभा सांसद नवीन जैन के सामने भावुक होकर दंडवत प्रणाम करते नजर आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, कार्यकारिणी सूची में मंत्री पद मिलने के बाद अनिल सारस्वत अपने समर्थकों के साथ सांसद नवीन जैन के कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान नई जिम्मेदारी मिलने की खुशी और आभार व्यक्त करते हुए वह भावुक हो गए और जमीन पर लेटकर दंडवत प्रणाम किया। इस दौरान उनकी आंखों से आंसू भी निकल पड़े। सांसद ने उन्हें उठाकर गले लगाया और शांत कराया। बताया जा रहा है कि यह वीडियो गुरुवार शाम का है, जो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में समर्थकों के नारे और भावुक माहौल साफ देखा जा सकता है। बाद में सांसद ने उन्हें सांत्वना देते हुए उनके आंसू पोंछे। भाजपा ने 17 मार्च को आगरा महानगर की करीब 60 सदस्यीय कार्यकारिणी की घोषणा की थी, जिसमें 20 पदाधिकारी और 40 सदस्य शामिल हैं। इसमें कई नए चेहरों को जगह दी गई है, जबकि कुछ पुराने नेताओं को बाहर होना पड़ा है, जिससे पार्टी के भीतर असंतोष भी देखने को मिल रहा है।

विश्व गौरैया दिवस: गांव की छतों पर गूंजा संगीत

लुप्त होती चिड़िया, अब फिर बनी जीवन की धुन

यूनिक समय, लखनऊ। विश्व गौरैया दिवस पर यमुना-चंबल के बीहड़ों से आई खबर ने लोगों को राहत की सांस दी है। कभी घर-आंगन से गायब हो चुकी नन्ही गौरैया अब फिर से लौट आई है। लेकिन इस बार उसकी वापसी किसी फिल्मी हीरो की तरह 'एंट्री' नहीं, बल्कि वन विभाग के "घोंसला वितरण अभियान" और ग्रामीणों के "पौधरोपण मिशन" का परिणाम बताई जा रही है।

बाह, पिनाहट और जैतपुर के गांवों में सुबह-सुबह अब मोबाइल की रिंगटोन से पहले गौरैया की चहचहाहट सुनाई देती है।

ग्रामीण बताते हैं कि पहले जहां घरों में सन्नाटा रहता था, वहीं अब छतों पर गौरैया की "कॉन्फ्रेंस मीटिंग" चलती रहती है। कोई छत पर बैठकर दाना चुनता है, तो कोई पेड़ की टहनी पर बैठकर मौसम का हाल बताता है।

वन विभाग का दावा है कि पिछले दस वर्षों में हजारों कृत्रिम घोंसले बांटे गए, जिन्हें ग्रामीणों ने कभी "छोटा फ्लैट" समझकर पेड़ों और घरों में लगा दिया। परिणामस्वरूप गौरैया को फिर से "रेंट-फ्री आवास" मिल गया है।

हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि गौरैया की वापसी केवल घोंसलों का कमाल नहीं है, बल्कि यह बदलते वातावरण में थोड़ी "जिद्दी प्रकृति" का भी परिणाम है। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने हल्के व्यंग्य में कहा- "अगर हम और देर करते तो गौरैया शायद हमें ही गूगल मैप पर खोजती।"

ग्रामीण भी इस बदलाव से खुश हैं। कुछ लोग तो इसे "गांव की नई अलार्म क्लॉक" कहने लगे हैं। एक किसान ने मुस्कुराते हुए बताया-"पहले मुर्गा जगाता था, अब गौरैया जगाती है, फर्क बस इतना है कि गौरैया ज्यादा मीठा गाती है।"

इधर विशेषज्ञ चेतावनी भी दे रहे हैं कि गौरैया की वापसी स्थायी तभी होगी जब कीटनाशकों का प्रयोग कम हो, पुराने पेड़ बचाए जाएं और शहरों में भी "चिड़िया फ्रेंडली बालकनी" बनाई जाएं।

विश्व गौरैया दिवस की थीम 'होप फॉर स्पैरो' इस बार बीहड़ में सच होती दिखी, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि असली होप तब होगी जब गौरैया सिर्फ गांव नहीं, शहरों की भी ऊंची इमारतों में बिना डर के चहके।

फिलहाल यमुना-चंबल के गांवों में माहौल कुछ ऐसा है-जहां कभी वीरानियत थी, वहां अब नन्ही चहचहाहटें जिंदगी का नया संगीत बनकर गूंज रही हैं।

बंदर से क्रूरता का वीडियो वायरल पुलिस ने जांच शुरू की

यूनिक समय, अलीगढ़। पाली मुकीमपुर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दो युवक एक बंदर के साथ क्रूरता करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है कि युवकों ने बंदर के पैर में रस्सी बांध रखी है और उसे जमीन पर घसीटते हुए डंडों से बेरहमी से पीट रहे हैं। यह घटना देख ग्रामीणों की भीड़ मौके पर मौजूद दिखाई दे रही है, लेकिन किसी ने तत्काल रोकने की कोशिश नहीं की। वायरल वीडियो के सामने आने के बाद क्षेत्र में पशु क्रूरता को लेकर आक्रोश फैल गया है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए पाली मुकीमपुर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी रवि चंद्रवाल ने बताया कि वीडियो की जांच की जा रही है और प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह वीडियो करीब चार-पांच महीने पुराना बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही दोनों युवकों को चिन्हित कर उनके खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

सार संक्षेप

मुख्यमंत्री ने 300 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इंद्रप्रस्थ बस डिपो से 300 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर जनता को समर्पित किया। यह कदम दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को उत्सर्जन-मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिछले एक साल में 2,000 से अधिक एश बसें डीटीसी बेड़े में शामिल की गई हैं। इस अवसर पर नानकसर-गाजियाबाद नई अंतरराज्यीय बस सेवा की शुरुआत भी की गई। साथ ही, ईवी प्रोत्साहन पोर्टल को फिर से चालू किया गया।

कटिहार रेलवे स्टेशन पर आबकारी और जीआरपी जवानों में भिड़ंत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के कटिहार रेलवे स्टेशन पर शराब तस्करों को पकड़ने गई आबकारी टीम और जीआरपी के जवानों में विवाद हो गया। आबकारी विभाग को सूचना मिली थी कि बंगाल से ट्रेन के जरिए शराब लाई जा रही है। पकड़ के दौरान जीआरपी के जवानों ने आबकारी सिपाही देव शंकर झा को रोक लिया और मामला हाथापाई तक पहुंच गया। आबकारी सिपाही ने बताया कि उनका काम तस्करों को पकड़ना था, जिस पर जीआरपी को आपत्ति हुई।

श्रीलंका ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों को अपने क्षेत्र में उतरने से रोका

यूनिक समय, नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने मार्च की शुरुआत में अमेरिका के दो लड़ाकू विमानों को मट्टाला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमति देने से इनकार किया। विमानों में 8 एंटी–शिप मिसाइल थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि श्रीलंका तटस्थ नीति बनाए रखना चाहता है और किसी भी युद्ध में पक्ष नहीं लेगा। उन्होंने बताया कि अमेरिका और ईरान दोनों के अनुरोध ठुकराए गए, ताकि देश की संप्रभुता और शांतिपूर्ण स्थिति बनी रहे।

किम जोंग उन ने बेटी के साथ की टैंक सवारी, दी जंगी ट्रेनिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी 13 वर्षीय बेटी किम जू ए के साथ टैंक की सवारी की और सैनिकों को युद्ध के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। हाल ही में दोनों ने रॉकेट लॉन्च और पिस्तौल प्रशिक्षण भी देखा। सरकारी मीडिया इसे किम की बेटी को संभावित उत्तराधिकारी के रूप में तैयार करने का संकेत मान रहा है। दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी ने भी बताया कि किम जू ए को अगली नेता बनाने की संभावना है।

दिल्ली में हाई टेंशन तार से मजदूर की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के कपासहेड़ा में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 45 वर्षीय मजदूर राजकुमार की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब निर्माण कार्य के दौरान झूलन नामक राजमिस्त्री ने पहली मंजिल से बांस ऊपर देने का प्रयास किया। करंट लगने से दोनों नीचे गिरे। झूलन गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पताल में इलाज चल रहा है।

ईरान ने अमेरिकी और इजराइली जासूसों पर की कड़ी कार्रवाई

मोसाद एजेंट को दी सार्वजनिक फांसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान की न्यायपालिका ने अपनी अटूट शक्ति का प्रदर्शन करते हुए इजराइल के लिए जासूसी करने वाले एजेंट पुरोश किवानी को सार्वजनिक रूप से फांसी पर लटका दिया। किवानी मूसाद का अहम सदस्य था और उसने ईरान के संवेदनशील सैन्य और रणनीतिक स्थानों की तस्वीरें इजराइल तक पहुंचाईं। यह कार्रवाई तब की गई जब ईरान अमेरिका और इजराइल से जुड़े जासूसी नेटवर्क को खत्म करने की बड़ी मुहिम चला रहा है।

ईरानी अधिकारियों ने बताया कि 500 अमेरिकी जासूसों को देश में गिरफ्तार किया गया, जो आईआरजीसी कमांडरों और प्रमुख नेताओं की लोकेशन जैसी संवेदनशील जानकारी जुटा रहे थे। तसनीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरानी खुफिया एजेंसियों ने पूरे देश में अमेरिकी और इजरायली जासूसों के खिलाफ कार्रवाई की, जिसमें हथियार और जासूसी उपकरण भी जब्त किए गए। ईरानी सुरक्षा मंत्रालय ने बताया कि गिरफ्तार किए गए जासूसों में चार अमेरिकी और 21 अन्य अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े लोग शामिल हैं। इनके पास से आधुनिक हथियार, पिस्तौल, राइफलें और सेटेलाइट डिवाइस बरामद हुए, जिनका उपयोग गुप्त संचार और निगरानी के लिए किया जा रहा था। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद और खुफिया विभाग ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या जासूसी गतिविधियों की जानकारी प्रशासन को दें। इस कार्रवाई का उद्देश्य देश में सुरक्षा बनाए रखना और दुश्मनों के खुफिया नेटवर्क को समाप्त करना है। ईरान और इजराइल के बीच चल रही जंग के बीच यह कदम एक कड़ा संदेश है कि देश में किसी भी तरह के गद्दारी या जासूसी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ईरान ने किया दावा एफ-35 को मार गिराया, अमेरिका ने बताया विमान सुरक्षित

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच ईरान ने दावा किया कि उसने अमेरिका का एफ–35 स्टेल्थ फाइटर जेट निशाना बनाया है। ईरानी मीडिया ने इसके वीडियो भी साझा किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की कि विमान सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कर गया और पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं। अमेरिका ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इसी बीच, अमेरिका ने ईरान से मुकाबले के लिए वअए, कुवैत और जॉर्डन को कुल 15.2 बिलियन डॉलर के हथियार बेचने की मंजूरी दी। इसमें एफ–16 अपग्रेड, (थाड़) सिस्टम और एयर डिफेंस रडार शामिल हैं। डील का उद्देश्य क्षेत्र में तेल मार्ग और ड्रोन–मिसाइल सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी मिली

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकदल अध्यक्ष जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार जयंत चौधरी के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर 7797623577 से फोन आया, जिसमें कॉल करने वाले ने उन्हें मारने की धमकी दी और एमपी-5 जैसे हथियारों का जिक्र किया। कॉल के दौरान फोन करने वाले व्यक्ति ने यह भी कहा कि उनके पास कुछ कागजात हैं और इसके बाद फोन काट दिया।

शिकायत में बताया गया कि उसी नंबर से व्हाट्सएप पर मंत्री का सरकारी दौरे का प्रोग्राम भेजा गया, जिस पर मारने की धमकी लिखी थी। इसके साथ लोकेशन और वॉइस मैसेज भी भेजे गए। जब फिर से फोन किया गया, तो उक्त व्यक्ति ने कहा कि ऊपर से भेजा गया है। साथ ही शिकायत में यह भी कहा गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके आवास के पीछे की जासूसी की, दरवाजे के खुलने–बंद होने का निरीक्षण किया और सफेद रंग की स्विफ्ट कार में बैठकर कोठी की निगरानी की।

पुलिस को सभी साक्ष्य भेज दिए गए हैं और मामले की जांच शुरू हो गई है। जयंत चौधरी वर्तमान में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय तथा शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में कार्यरत हैं।

सिक्किम में भूकंप के दो झटके कोई नुकसान नहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। शुक्रवार तड़के सिक्किम के गंगटोक में भूकंप के दो झटके महसूस किए गए। पहले झटके की तीव्रता 3.6 और दूसरे की 2.7 रिक्टर स्केल पर दर्ज की गई। पहला भूकंप गंगटोक से 10.7 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में और 5 किलोमीटर की उथली गहराई पर आया, जबकि दूसरा 11.2 किलोमीटर पश्चिम में और 10 किलोमीटर गहराई पर हुआ। अधिकारियों ने बताया कि किसी के घायल होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है। भारत में कुल भूभाग का लगभग 59 प्रतिशत हिस्सा भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है।

पीएसीएल घोटाला: ईडी ने अटैच की 5046 करोड़ की संपत्ति

यूनिक समय, नई दिल्ली। पीएसीएल (पर्ल्स एग्रोटेक कॉर्पोरेशन लिमिटेड) के बड़े वित्तीय घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कड़ा एक्शन लेते हुए 5,046.91 करोड़ रुपये की 126 संपत्तियों को अटैच कर दिया है। ये संपत्तियां दिल्ली और पंजाब में स्थित हैं। मामला एक फर्जी निवेश योजना से जुड़ा है, जिसमें कंपनी ने लोगों को जमीन देने का झांसा देकर देशभर के लाखों निवेशकों से करीब 48 हजार करोड़ रुपये जुटाए थे। अधिकांश निवेशकों को न तो जमीन मिली और न ही उनका पैसा वापस हुआ।

इस घोटाले की जांच 2014 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुरू की थी। इसके बाद ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के तहत केस दर्ज किया। जांच में सामने आया कि पीएसीएल ने कई फर्जी कंपनियों और कागजी लेन–देन के जरिए पैसे का हेराफेरी किया। सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में निवेशकों का पैसा लौटाने के लिए कमेटी बनाई थी, लेकिन कंपनी की संपत्तियों की अवैध

बिक्री और हेराफेरी जारी रही। अब तक कुल 22,656 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां अटैच की जा चुकी हैं। पीएसीएल स्कैम भारत के सबसे बड़े पोंजी और फाइनेंशियल फ्रॉड मामलों में से एक माना जाता है। कंपनी ने एग्रीकल्चर और रियल एस्टेट डेवलपमेंट के नाम पर निवेशकों को पैसों का दोगुना या जमीन देने का झांसा दिया। इस पोंजी स्कीम में नए निवेशकों के पैसे का उपयोग पुराने निवेशकों का भुगतान और एजेंट्स को कमीशन देने में होता था। इस स्कैम के पीछे पर्ल ग्रुप के संस्थापक निर्मल सिंह भंगू का नाम था, जिनकी अगस्त 2024 में मौत हो चुकी है।

जिन्न और तांत्रिक क्रिया के नाम पर 15.93 लाख की साइबर ठगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई के सायन इलाके में 22 वर्षीय युवती के साथ 15.93 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया। आरोपी ने युवती को यह झांसा दिया कि उसके पास एक जिन्न है जो सभी इच्छाएं पूरी कर सकता है।

साल 2023 में इंस्टाग्राम पर "पावरफुल ओबसेशन हीलर" नामक पोस्ट देखने के बाद युवती की बातचीत व्हाट्सएप पर अज्ञात व्यक्ति से शुरू हुई। आरोपी ने खुद को वाहिद या साहिल बताया और पहले युवती का विश्वास जीता। इसके बाद उसने तांत्रिक विधि कराने और जिन्न की मदद से जीवन की समस्याओं को हल करने का दावा किया। ठग ने शुरुआती तौर पर 25 हजार रुपये लिए, फिर अलग-अलग बहानों से बार-बार पैसे मांगे। युवती ने कई बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर किए और अपने घर का सोना भी बेच दिया। जब लंबे समय तक कोई परिणाम नहीं मिला, तब युवती को ठगी का एहसास हुआ।

शिवमोग्गा में हिप्पोपोटामस के हमले में ट्रेनी वेटरनरी ऑफिसर की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में त्यावारेकोप्पा लायन एंड टाइगर सफारी में हिप्पोपोटामस के हमले में 27 वर्षीय ट्रेनी वेटरनरी ऑफिसर डॉ. समीक्षा रेड्डी की मौत हो गई। डॉ. समीक्षा को गंभीर चोटों के बाद निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन कार्डियक अरेस्ट के कारण उनकी सुबह लगभग 6:30 बजे मौत हो गई।

डॉ. समीक्षा बेंगलुरु की रहने वाली थीं और हाल ही में सफारी में ट्रेनी वेटरनरी ऑफिसर के रूप में नियुक्त हुई थीं। उन्हें पक्षियों और अन्य जानवरों की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। गुरुवार, 19 मार्च की रात उन्होंने गर्भवती हिप्पोपोटामस का तापमान 'नॉन–इनवेसिव इंफ्रारेड थर्मोग्राफी' से मापने का प्रयास किया। इसी दौरान जानवर ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले में उन्हें गंभीर घाव और अत्यधिक रक्तस्राव हुआ, साथ ही लिवर को भी नुकसान पहुंचा। इसके परिणामस्वरूप उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया। वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने डॉ. समीक्षा की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपीएस) का सख्ती से पालन किया जाए। उन्होंने इस घटना की जांच के लिए टीम गठित करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी आदेश दिया। यह घटना पशु चिकित्सा क्षेत्र में प्रशिक्षण ले रहे कर्मचारियों के लिए चेतावनी का संकेत देती है कि जंगली जानवरों के साथ काम करते समय सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य है।

उत्तराखंड : धामी सरकार ने किया कैबिनेट का विस्तार, पांच नए मंत्री बनाए

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया और पांच नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह लोकभवन में आयोजित हुआ, जिसमें राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने नए मंत्रियों को शपथ दिलाई।

शपथ लेने वाले विधायकों में देहरादून के खजान दास, रुद्रप्रयाग के भरत चौधरी, हरिद्वार के मदन कौशिक, रूड़की के प्रदीप बत्रा और नैनीताल के राम सिंह कैड़ा शामिल हैं। मुख्यमंत्री धामी ने सभी नए मंत्रियों को बधाई देते हुए कहा कि ये सभी लंबे समय से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उत्तराखंड के संविधान के अनुसार राज्य मंत्रिमंडल में अधिकतम 12 सदस्य हो सकते हैं। भाजपा ने 2022 में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान धामी के नेतृत्व में आठ मंत्रियों के साथ शपथ ग्रहण की थी। अप्रैल 2023 में सामाजिक कल्याण और परिवहन मंत्री चंदन रामदास के निधन के बाद मंत्रिमंडल में सदस्य संख्या घटकर आठ रह गई थी। इसके बाद पिछले साल संसदीय कार्य और वित्त प्रभारी प्रेम चंद अग्रवाल के इस्तीफे के कारण संख्या और घटकर सात हो गई थी। इस विस्तार के बाद अब उत्तराखंड में मंत्रिमंडल की संख्या बढ़कर फिर से 12 के करीब पहुंच गई है। नए मंत्रियों की नियुक्ति राज्य सरकार की कार्यकुशलता और विकास योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। शपथ ग्रहण समारोह में विधायकों और सरकारी अधिकारियों की बड़ी उपस्थिति रही।

टी राजा सिंह ने औरंगजेब की कब्र पर टॉयलेट बनाने की मांग की

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेलंगाना के गोशामहाल विधायक टी राजा सिंह ने महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में आयोजित हिंदू राष्ट्र जागृति सभा में विवादास्पद बयान दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से कहा कि औरंगजेब की कब्र को हटाया जाए और उस पर टॉयलेट बनाया जाए। उनका कहना था कि औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी को मारा था और उनके अनुयायियों का मकसद हिंदू महिलाओं को लव जिहाद के जरिए प्रभावित करना है। टी राजा सिंह ने कहा कि कब्र का नामोनिशान मिटे बिना वे इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने सीसीटीवी जिहाद का भी जिक्र किया और बताया कि कुछ आतंकवादी सीसीटीवी फुटेज पाकिस्तान को भेज रहे थे। रैली में उन्होंने हिंदू महिलाओं से अपील की कि वे हर हफ्ते कम से कम एक घंटा धर्म का प्रचार करें और अपने परिवार को लव जिहाद के बारे में जागरूक करें।

कैंसर यूनिट 'नंदकिशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक' का उद्घाटन

देश के लोगों के स्वस्थ्य रहने से सशक्त भारत का निर्माण होगा : राष्ट्रपति

रामकृष्ण सेवाश्रम चेरिटेबल हॉस्पिटल में कैंसर यूनिट 'नंदकिशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक' का उद्घाटन करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू। साथ में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल एवं सेवाश्रम के पदाधिकारी।

रामकृष्ण सेवाश्रम चेरिटेबल हॉस्पिटल में कैंसर यूनिट 'नंदकिशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक' के उद्घाटन अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, गन्ना विकास मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह आदि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज दोपहर को रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम चेरिटेबल हॉस्पिटल पहुंची। यहां कार्यक्रम में पहुंचकर उन्होंने दीप प्रज्वलित किया। इसके बाद पश्चिमी यूपी की सबसे आधुनिक कैंसर यूनिट 'नंदकिशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक' का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जागरूकता अभियान और समय पर जांच की सुविधाओं से कैंसर की रोकथाम और शोध उपचार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सशक्त भारत का निर्माण तभी संभव होगा, जब देश के नागरिक स्वस्थ्य होंगे। उन्होंने कहा कि रामकृष्ण मिशन आध्यात्मिक चेतना और मानवीय सेवा के संगम का प्रतीक है। रामकृष्ण परमहंस की गहन भक्ति ने ऐसी धारा को प्रभावित किया, जिसे उनके शिष्य स्वामी विवेकानंद ने मानवता के हित में एक संस्था का रूप भी दिया। कहा कि रामकृष्ण मिशन में भी यह संदेश दिया गया है सेवा और करुणा ही ईश्वर तक पहुंचाने का सर्वत्र मार्ग है। राष्ट्रपति ने कहा कि पवित्र वृंदावन धाम में राम कृष्ण मिशन सेवा आश्रम चेरिटेबल अस्पताल के ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन करके उनको संतोष महसूस हो रहा है। वृंदावन की पावन धरा केवल एक भूभाग नहीं, बल्कि दिव्यता और भक्ति का जीवंत अनुभव है। जहां प्रत्येक कण कण में भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं की गूंज सुनाई देती है।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि बच्चियों को वैक्सीन लगवाना पुण्य का काम है। कहा कि जब सेवा साधना बन जाती है और करुणा कर्म में परीणित हो जाए तब संस्थाएं इतिहास नहीं सृष्टि में युग का निर्माण करती है। इसलिए मानवता के प्रत्येक वर्ग चाहे वह निधन हो, पीड़ित हो या उपेक्षित सबके जीवन में आशा की किरण प्रज्वलित की है। राज्यपाल ने कहा कि मानवीय सेवा और करुणा के नए अध्याय का साक्षी बनाकर हम हर्ष का अनुभव कर रहे है। यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि बृज भूमि में दो महीने में भारत की महामहिम तीन दिन के लिए ब्रज भूमि में निवास करें राधा रानी की कृपा है। कहा कि हमारे कथा व्यास कहते हैं कि जो बृज भूमि में एक रात भी रुक जाता है वही बृजवासी हो जाता है। राष्ट्रपति मेहमान को राधा रानी की ऐसी कृपा हुई पहले भी रात्रि निवास मिला और अब भी लगातार तीन दिन तक रात्रि निवास और भ्रमण का समय मिला है।

स्वामी कालीकृष्णानंद महाराज ने रामकृष्ण मिशन द्वारा संचालित रामकृष्ण सेवाश्रम चैरिटेबल हॉस्पिटल के संचालन पर प्रकाश डाला। रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम आने पर स्वामी विमलात्मानंद महाराज, स्वामी सुप्रकाशानंद जीहाराज एवं स्वामी कालीकृष्णानंद महाराज ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री/बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, स्वामी विमलात्मानंद महाराज एवं एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (एचडीएफसी एएमसी) के प्रबंध निदेशक/ मुख्य कार्यपालक अधिकारी नवनीत मुनोट आदि उपस्थित थे।

नरी सेमरी देवी मेला में कल होगी चमत्कारिक आरती

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। नरी सेमरी देवी मेला में चैत्र नवरात्रि के तृतीय दिवस तीज की महा आरती कल शाम को होगी। तीज के दिन होने वाली चमत्कारिक महाआरती बड़ी प्रसिद्ध है। इस चमत्कारिक महा आरती में आगरा के धांधू भगत के परिजन शामिल होते हैं। अलौकिक शक्ति के कारण देर शाम महा आरती मंदिर में होगी। इस आरती को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचेंगे। व्यवस्था के लिए चप्पे चप्पे पर पुलिस फोर्स तैनात रहेगी है। सीओ छाता भूषण वर्मा ने बताया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सुलभ तरीके से दर्शन मिले। मेले में 40 उपनिरीक्षक, 10 महिला उप निरीक्षक 120 कांस्टेबल, एक प्लाटून पीएसी के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखने के लिए सादा कपड़ों फोर्स भी तैनात की गई है।

संत प्रेमानंद महाराज का मनाया जन्मोत्सव

यूनिक समय, बलदेव। भागवत प्रचार प्रसार समिति के बैनर तले संत शिरोमणि प्रेमानंद महाराज का जन्मोत्सव स्थानीय होटल में मनाया। गौ माता के दूध से निर्मित खोआ का केक काटा गया, जिसे प्रसाद के रूप में बांटा गया। सभी ने प्रेमानंद महाराज की दीर्घायु की कामना दाऊजी महाराज व माता रेवती जी से की। आचार्य मनीष गर्गाचार्य ने वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य हवन पूजा कराई गई। कार्यक्रम में हरिओम सेठ, अजय सिकरवार, सुजीत वर्मा, शिवम पांडेय, सतेंद्र पहलवान, रवेंद्र सिंह, श्याम सुंदर अग्रवाल, पवन गोयल, मन्नू पुजारी तथा ललित गर्ग आदि उपस्थित थे।

"बोलती तस्वीर"

खाली बूथ में बनी बकरियां अनोखी चौकीदार

राया के सुल्तानगंज स्थित पुलिस चौकी का यह नजारा किसी कहानी से कम नहीं लगता। सुरक्षा के लिए बनाए गए बूथ में पुलिसकर्मी की जगह बकरी 'ड्यूटी संभालती' नजर आ रही है। लोग मजाक में कह रहे हैं कि शायद अब अपराधियों पर नहीं, बकरी की नजर से ही क्षेत्र की सुरक्षा होगी! एक साल पहले प्रस्तावित इस चौकी का निर्माण कागजों में तो पूरा दिखा, लेकिन जमीनी हकीकत में यहां न पुलिस है, न स्थायी व्यवस्था–बस खड़ा है एक बूथ और उसमें 'अनोखी चौकीदार' बकरी! फोटो–क्लिक यूनिक समय

जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान जल्द होगा शुरू

हजारों लड़कियों को मिलेगा सुरक्षा कवच

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की पहल

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में लड़कियों को गंभीर बीमारी से बचाने के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान अगले सप्ताह शुरू होने की सम्भावना है। इस अभियान के तहत 14 वर्ष या उससे कम उम्र की किशोरियों को टीका लगाया जाएगा, जिससे आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर के खतरे से बच सके। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस टीके से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के खतरनाक प्रकार 6, 11, 16 और 18 से सुरक्षा मिलती है। यह वैक्सीन 0.5 मिलीलीटर की एक खुराक के रूप में बाजू में लगाई जाती है। नोडल ऑफिसर डॉ. रोहताश का कहना है कि समय पर यह टीका लगने से लड़कियों को बड़ी बीमारी से बचाया जा सकता है। जिले में कुल 31,436 बालिकाओं को इस अभियान में शामिल किया गया है। इनमें 8,000 शहर की और 23,436 गांवों की किशोरियां हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लक्ष्य पूरा करने के लिए पूरी तैयारी कर ली है और अलग-अलग जगहों पर टीकाकरण की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाली एक आम और खतरनाक बीमारी है, जो ज्यादातर एचपीवी संक्रमण के कारण होती है। सही समय पर टीकाकरण से इस बीमारी को रोका जा सकता है, इसलिए सभी अभिभावकों को अपनी बेटियों को टीका जरूर लगवाना चाहिए। नोडल ऑफिसर ने बताया कि जिले में जिला स्तरीय अस्पताल, महिला अस्पताल और करीब 12 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टीकाकरण किया जाएगा। ऑनलाइन पंजीकरण के लिए यू-विन पोर्टल पर भी सुविधा दी गई है। अभिभावक आसानी से अपनी बेटी का नाम दर्ज करा सकते हैं।

मां ब्रह्मचारिणी की पूजा को उमड़ा आस्था का सैलाब

मां चामुंडा देवी के दर्शन।

दर्शन करते श्रद्धालुओं की भीड़।

मंदिरों में दिनभर रही श्रद्धालुओं की भीड़

घर-घर विधि-विधान से हुई मां भगवती की पूजा

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। चैत्र नवरात्रि के दूसरे दिन पूरे जनपद में भक्ति और आस्था का अदभुत संगम देखने को मिला। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक हर ओर देवी मां के भजनों और धार्मिक गीतों की मधुर ध्वनि गूंजती रही। सुबह होते ही मंदिरों के कपाट खुलने के साथ ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही भारी भीड़ उमड़ पड़ी। खासकर चामुंडा देवी मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्त माता रानी के चरणों में परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते नजर आए। दिनभर मंदिर परिसरों में पूजा-अर्चना और दर्शन का सिलसिला चलता रहा, मंदिरों में घंटियों की मधुर ध्वनि और शंखनाद से पूरा वातावरण गूंजता रहा। हर तरफ श्रद्धा और भक्ति का ऐसा माहौल देखने को मिला। नवरात्रि के दूसरे दिन महिलाओं और बच्चों ने पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित होकर मंदिरों में पहुंचीं और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। जिले में विभिन्न स्थानों पर भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किये गए।

अर्चना वर्मा बनीं शैक्षिक महासंघ की उपाध्यक्ष

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राया की हुई ब्लॉक कार्यकारणी की बैठक में सर्वसम्मति से अर्चना वर्मा को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगी। शिक्षकों का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। इस अवसर पर अध्यक्ष हरिओम गुप्ता, अध्यक्ष प्रतिनिधि गोवर्धनदास, महामंत्री शैलेंद्र परिहार, कोषाध्यक्ष कीर्ति लवानियां, संरक्षक अशोक पाठक, अमित कुमार, मार्गदर्शक भगवान सिंह, पचौरी तथा शिखा मिश्रा आदि उपस्थित थे।

सूचना

मैं राकेश कुमार पुत्र कैलाश चंद नि0 गांव ओल थाना फरह जिला मथुरा उ0प्र0 मेरी एक मूल रजिस्ट्री जिसका बही न0 1,जिल्द न0 258 सफा 385/400 न.-10341 पर दिनांक 20.11.1990 को रास्ते में कही खो गयी है जिसका उपयोग अमान्य होगा । 9058010200